हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 50 : | जौनपुर, बुधवार 15 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

जल्द रक्षा बलों के बेड़े की ताकत बढ़ाएगा निर्भय

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय सशस्त्र बल 1,000 किमी से अधिक दूरी पर लक्ष्य पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की मारक क्रूज मिसाइल निर्भय को अपनी सूची में शामिल करेंगे। सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा, प्रलय मिसाइलों का भी बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाएगा और निकट भविष्य में इस सेवा में शामिल होने की भी उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि इससे भारतीय सूची में लंबी दूरी और मध्यवर्ती दूरी की मिसाइलों का एक व्यापक पैकेज तैयार हो जाएगा। निर्भय मिसाइल के बारे में सूत्रों ने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में दो रक्षा सेवाओं के लिए मिसाइलों को मंजूरी दी है। उनमें से एक ने महत्वपूर्ण संख्या में निर्भय मिसाइलों को शामिल करने के लिए सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है। निर्भय लंबी दूरी की मिसाइल है और 1,000 किलोमीटर की दूरी तक दुश्मन के लक्ष्य को निष्क्रिय कर सकती है। यह ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ एक घातक संयोजन भी बना सकता है, जो अपनी श्रेणी में सबसे बेहतरीन प्रणालियों में से एक है।

भूपेश कक्का की उल्टी गिनती शुरू : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में साजा विधानसभा क्षेत्र में कहा कि भूपेश बघेल ने भगवान महादेव के नाम पर सट्टेबाजी ऐप का नाम रखकर उनका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहले चरण का चुनाव समाप्त हो गया है। पहले चरण में भूपेश कक्का का सूपड़ा साफ हो गया है। पहले चरण के मतदान ने ये तय कर दिया है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने वाली है। शाह ने कहा कि मुझे आज ही एक पत्रकार ने बताया कि सट्टेबाज भी अब कह रहे हैं कि सट्टेबाजी करने वाली ये सरकार छत्तीसगढ़ से जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि हमारे भाई ईश्वर साहू केवल एक प्रत्याशी नहीं हैं, बल्कि ये प्रतीक हैं न्याय की लड़ाई का। भूपेश कक्का की सरकार के कार्यकाल में ही साम्प्रदायिक तत्वों में भाई ईश्वर साहू के बेटे भुवनेश्वर को मार डाला था।

पीएम मोदी ने किया अनुग्रह राशि का ऐलान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। एक दुखद घटना में जम्मू–कश्मीर के डोडा में बुधवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने से 36 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। सूत्रों के मुताबिक, बस किश्तवाड़ से जम्मू जा रही थी और इसमें कम से कम 55 यात्री सफर कर रहे थे।संबंधित अधिकारियों ने यात्रियों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू कर दिया है। इस बीच, घायल यात्रियों को डोडा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस में क्षमता से अधिक लोगों के सवार होने के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। हालांकि, इस जानलेवा हादसे की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने डोडा डीसी से बात की और स्थिति का जायजा लिया।

पीएम के मूर्खों के सरदार वाले बयान में राजनीति तेज

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी को श्मूर्खों के सरदारश कहकर उनके पद की गरिमा कम की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता पर प्रधानमंत्री का तंज श्बहुत दुर्भाग्यपूर्णश है। गहलोत ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री पद की गरिमा है। इसकी जितनी आलोचना की जाए उतनी कम है। अगर कोई व्यक्ति गरिमापूर्ण पद पर है लेकिन ऐसी बातें कहता है, तो आप उससे क्या उम्मीद कर सकते हैं? शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी से डरते हैं क्योंकि राहुल 2024 में देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। संजय राउत ने कहा कि राहुल गांधी अब पूरे देश में लोकप्रिय हैं ।

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले : दूसरे लोक की यात्रा पर चले गए यूपी के माफिया, कांग्रेस होती तो ना हो पाता दीपोत्सव

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। जो कांग्रेस सुरक्षा व विकास नहीं कर सकती, उस बोझ को ढोने का क्या फायदा। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यूपी में माफिया समानांतर सरकार बनाते थे, लेकिन अब यह माफिया दूसरे लोक की यात्रा पर चले गए हैं। यूपी में विकास की नई गाथा रची जा रही है। मध्य प्रदेश के रीवा, छतरपुर और भिंड में पार्टी के आठ प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे योगी ने सेमरिया से विधायक व भाजपा उम्मीदवार केपी त्रिपाठी के पक्ष में वोट मांगा। सीएम ने कहा कि कांग्रेस होती तो दीपोत्सव नहीं हो पाता और ना ही राम मंदिर बन पाता। पीएम मोदी व 20 वर्ष में शिवराज सिंह चौहान ने विकास को बढ़ाया है। उसी का परिणाम है कि मध्य प्रदेश विकसित राज्य बन रहा है। कोल समाज के पूर्वजों ने संकट के समय भगवान राम के सहयोगी बनकर चित्रकूट में शरण दी थी। कांग्रेस ने कोल, थारू, चेरू, वनवासी व गिरवासी को सिर्फ गुमराह किया। हाथ का पंजा दिखाकर कांग्रेस ने देश को बेवकूफ बनाने का कार्य किया है और बहन जी की हाथी का पेट इतना बड़ा है कि यह मध्य प्रदेश को हजम कर जाएगा। इन्हें महत्व देने की आवश्यकता नहीं है। राजनगर से भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटैरिया व चंदला से दिलीप अहिरवार के समर्थन में योगी आदित्यनाथ ने नगर पालिका परिषद का नाम लवकुश के नाम पर रखने पर हर्ष जताया।

बोले कि पहले दुनिया भारत को महत्व नहीं देती थी, लेकिन 2014 के बाद दुनिया में भारत के प्रति आशा है। यह भारत नई राह दिखा रहा है। इससे पहले लद्दाख, कारगिल, अरुणाचल, कश्मीर में घुसपैठ प्रतिदिन समाचार की सुर्खियां होती थीं, लेकिन आज घुसपैठ नहीं होती बल्कि आतंकवादियों की जननी के घर में घुसकर सबक सिखाने का काम होता है। यूपी में 403 में से हाथी का एक और कांग्रेस के दो विधायक हैं। यूपी की जनता इन्हें समझ चुकी है, इसलिए मध्य प्रदेश में भी इनका खाता ही नहीं खुलना चाहिए। खजुराहो इसी विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है। यहां से झांसी होते हुए लखनऊ जाने का रास्ता आसान है। अब कोई वसूली व गुंडागर्दी नहीं होती। डबल इंजन की सरकार सुरक्षा, सुशासन व विकास की गारंटी देगी। यूपी के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने अटेर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया व भिंड से प्रत्याशी नरेंद्र सिंह कुशवाह के पक्ष में रैली की। उन्होंने कहा कि आप इन्हें भोपाल पहुंचाइए, यह आपको अयोध्या लेकर आएंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने कहा था कि रामलला हम आएंगे, गुलामी का ढांचा भी हटाएंगे। हमने कहा था तो किया। अब 22 जनवरी 2024 की तारीख भी बता रहे हैं, जब मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे।

सीएम ने कहा कि संकट का साथी ही सच्चा साथी है। कांग्रेस के लोग कोरोना के समय गायब हो गए थे। देश कोरोना के समय संकट में था तो भाई–बहन को मध्य प्रदेश–उत्तर प्रदेश की नहीं, नाना–नानी की याद आती थी।

एमपी और छत्तीसगढ़ की जनता से पीएम की अपील, विकसित भारत के लिए भाजपा को चुनें

छत्तीसगढ़ (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आज प्रचार का आखिरी दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों ही राज्यों की जनता से विकसित भारत के लिए भाजपा को चुनने की अपील की। उन्होंने एक्स पर लंबे पोस्ट साझा किए है। मध्य प्रदेश को लेकर उन्होंने लिखा कि चुनाव के लिए इस बार का प्रचार अभियान बल्कि जनता–जनार्दन से आशीर्वाद लेने का अभियान बहुत ही खास रहा।

मैं राज्य के कोने–कोने में गया, अनेकों लोगों से मिला, संवाद किया। लोगों में भाजपा के प्रति जो स्नेह है, भाजपा पर जो आस्था है, वो हमारी बहुत बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की नारीशक्ति, इस चुनाव में आगे बढ़कर भाजपा का झंडा बुलंद कर रही है। जिस तरह महिला सशक्तिकरण भाजपा की प्राथमिकता है, उसी तरह महिलाओं ने भाजपा सरकार की वापसी को अपनी प्राथमिकता बना लिया है। मोदी ने कहा कि आज की नई पीढ़ी, भारत के अगले 25 वर्षों और अपने 25 वर्षों को एक साथ जोड़कर देख रही है। और इसलिए विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के दायित्व को निभाने के लिए हमारे नौजवान भी कंधे से कंधा मिलाकर आगे आ रहे हैं। लोग का ये अटूट विश्वास है कि 21वीं सदी का विकसित मध्य प्रदेश सिर्फ भाजपा ही बना सकती है। एमपी के लोग डबल इंजन की सरकार के लाभ को देख भी रहे हैं और इसकी जरूरत को समझते भी हैं। रैलियों में मैंने ये भी देखा कि एमपी के लोग कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति और नकारात्मकता से कितने ज्यादा नाराज हैं। कांग्रेस के पास एमपी के विकास के लिए कोई विजन नहीं है, कोई रोडमैप नहीं है।

पीएम मोदी ने खूंटी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 15वीं किस्त जारी की

झारखंड को पीएम मोदी की सौगात, किसान सम्मान निधि की 15वीं किस्त भी जारी, विकसित भारत के चार अमृत स्तंभों को गिनवाया

झारखंड (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज झारखंड में हैं। मोदी ने खूंटी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 15वीं किस्त जारी की। इसके साथ ही उन्होंने श्पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान की शुरुआत की। उन्होंने श्विकासशील भारत संकल्प यात्राश को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा, सैचुरेशन के सरकार के लक्ष्यों को प्राप्त करने का सशक्त माध्यम बनेगी। पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान, विलुप्त होने की कगार पर खड़ी जनजातियों की रक्षा करेगा, उन्हें सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव और संघर्ष के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की गाथा हर देशवासी को प्रेरणा से भर देती है। झारखंड का कोना–कोना ऐसी ही महान विभूतियों, उनके हौसलों और अथक प्रयासों से जुड़ा है। मोदी ने कहा कि आज झारखंड की इस पावन भूमि से दो ऐतिहासिक अभियानों की शुरुआत होने जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेचुरेशन के सरकार के लक्ष्यों को प्राप्त करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान, विलुप्त होने की कगार पर खड़ी जनजातियों की रक्षा करेगा, उन्हें सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि अपने अनुभवों के आधार पर मैं आज एक अमृत मंत्र आपके सामने रख रहा हूं। अगले 25 वर्षों के अमृतकाल में अगर हमें विकसित, भव्य और दिव्य भारत का निर्माण करना है, तो हमें उसके 4 अमृत स्तंभों को और मजबूत करना होगा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत के 4 अमृत स्तंभ हैं – पहला – भारत की महिलाएं, हमारी नारीशक्ति, दूसरा – भारत के किसान, हमारे पशुपालक, मछली पालक, हमारे अन्नदाता, तीसरा – भारत के नौजवान, हमारी युवाशक्ति, चौथा – भारत का मध्यम वर्ग, भारत के गरीब। इन 4 स्तंभों को हम जितना मजबूत करेंगे, विकसित भारत की इमारत भी उतनी ही ऊंची उठेगी। उन्होंने कहा कि 2014 में जब हमें आप सबने दिल्ली की गद्दी पर बैठाकर सरकार चलाने का दायित्व दिया, उस दिन से हमारा सेवाकाल शुरू हुआ है। हमारे आने से पहले भारत की एक बहुत बड़ी आबादी मूलभूत सुविधाओं से वंचित थी। देश के करोड़ों गरीबों ने इस बात की उम्मीद छोड़ दी थी कि कभी उनका जीवन बदल पाएगा। उस समय सरकारों का रवैया भी ऐसा था कि वो खुद को जनता का माई बाप समझती थी। लेकिन हमने सेवा की भावना से आपके सेवक की तरह काम करना शुरू किया। मोदी ने कहा कि जो वंचित थे, हमने उन्हें वरीयता देना शुरू किया। जिन्हें सबसे दूर समझा जाता था, सरकार खुद चलकर उनके पास गई।

डोडा में बड़ा सड़क हादसा, खाई में गिरी बस, 30 लोगों की मौत, एलजी ने जताया दुख

जम्मू–कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में बुधवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। घटना बुधवार सुबह डोडा जिले के अससार इलाके में हुई। अधिकारियों ने कहा कि पंजीकरण संख्या जेके02सीएन–6555 वाली बस कथित तौर पर लगभग 40 यात्रियों को ले जा रही थी, यह बटोटे–किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर त्रुंगल–अस्सार के पास सड़क से फिसल गई और 300 फीट नीचे गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है और कुछ शव बरामद कर लिए गए हैं। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि डोडा के अस्सर में एक दुखद बस दुर्घटना में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं।

शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित व्यक्तियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए मंडलायुक्त एवं जिला प्रशासन को निर्देशित किया। डोडा जिले में एक सप्ताह में यह दूसरी सड़क दुर्घटना है।

छत्तीसगढ़ में बोले जेपी नड्डा रूप बदलते रहते हैं कांग्रेसी

छत्तीसगढ़ के आरंग में नड्डा ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस चुनाव में एक तरफ भाजपा है और दूसरी तरफ कांग्रेस है

छत्तीसगढ़ (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के चुनाव के लिए आज प्रचार समाप्त हो जाएगा। छत्तीसगढ़ के आरंग में उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस चुनाव में एक तरफ भाजपा है और दूसरी तरफ कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मतलब है – विनाश, भ्रष्टाचार, अत्याचार, व्यभिचार और आपके हकों पर डाका डालना। वहीं, भाजपा का मतलब है– विकास, तरक्की, लोगों की सरकार, विकास की सरकार, महिला सशक्तिकरण करने वाली सरकार, किसानों के हितों की रक्षा करने वाली सरकार और अनुसूचित जनजाति के भाइयों–बहनों को मुख्यधारा में खड़ा करने वाली सरकार। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने पनडुब्बी घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला, कोयला घोटाला, चावल घोटाला और न जाने कितने घोटाले किए। इन्होंने तीनों लोक में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने याद दिलाया कि भूपेश बघेल ने गंगाजल हाथ में लेकर कहा था कि हम यहां शराब बंद करेंगे। लेकिन उन्होंने शराब घोटाला ही कर दिया, गौठान घोटाला किया, टीचर्स के ट्रांसफर में घोटाला किया और तो और इन्होंने तो सत्ता की खातिर सट्टा ही खिला दिया। नड्डा ने कहा कि इन्होंने बिजली बिल आधा करने का वादा किया था, लेकिन नहीं किया। बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन नहीं दिया। महिलाओं को 500 रुपये देने की बात की थी, लेकिन नहीं दिए। अब आपको इन्हें घर बैठाना है। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेसी रूप बदलते रहते हैं। आजकल इनको भगवान राम से बहुत प्यार हो गया है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने कोर्ट में एफिडेविट देकर कहा था राम काल्पनिक हैं, इनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। लेकिन आजकल ये मंदिर–मंदिर घूम रहे हैं। वहीं, अमित शाह ने एक सभा में कहा कि पहले चरण में भूपेश कक्का साफ हो गए हैं। पहले चरण ने ही ये तय कर दिया हैद कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। अब तो सट्टा लगाने वाले सट्टेबाज भी कह रहे हैं कि सट्टेबाज भूपेश कक्का की सरकार प्रदेश से जा रही है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने पनडुब्बी घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला, कोयला घोटाला, चावल घोटाला और न जाने कितने घोटाले किए। इन्होंने तीनों लोक में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने याद दिलाया कि भूपेश बघेल ने गंगाजल हाथ में लेकर कहा था कि हम यहां शराब बंद करेंगे। लेकिन उन्होंने शराब घोटाला ही कर दिया, गौठान घोटाला किया, टीचर्स के ट्रांसफर में घोटाला किया और तो और इन्होंने तो सत्ता की खातिर सट्टा ही खिला दिया। नड्डा ने कहा कि इन्होंने बिजली बिल आधा करने का वादा किया था, लेकिन नहीं किया। बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन नहीं बार फिर किसानों की कर्ज माफी का वादा कर रहे हैं, और कर्ज माफ करके दिखाएंगे। इसके साथ ही राहुल ने कहा कि जिस दिन मैंने जाति जनगणना की बात शुरू की, उसी दिन से च्ड मोदी ने एक नए तरीके का भाषण देना शुरू कर दिया। वे पहले कहते थे– मैं व्ठ हूं। अब कहते हैं– देश में कोई जाति ही नहीं है, देश में सिर्फ गरीब हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि पीएम मोदी व्ठ वर्ग को देश में भागीदारी नहीं देना चाहते। उन्होंने एक बार फिर जातिगत जनगणना की वकालत की और कहा कि जिस दिन देश के ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों को अपनी सच्ची आबादी पता लग जाएगा, उस दिन यह मुल्क हमेशा के लिए बदल जाएगा।

भारत, चीन के साथ मिलकर करेंगे काम, मालदीव के राष्ट्रपति बोले- प्रतिद्वंद्विता में नहीं उलझना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पदभार संभालने के बाद द्वीप राष्ट्र से भारतीय सैनिकों को हटाने का वादा किया था। अब उन्होंने कहा कि उनका देश भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में उलझने के लिए बहुत छोटा है। उन्होंने कहा कि मालदीव भारत और चीन सहित सभी देशों के साथ मिलकर काम करने जा रहा है। समाचार एजेंसी एएफपी के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में मुइज्जू ने कहा कि मालदीव भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में उलझने के लिए बहुत छोटा है। मुझे मालदीव की विदेश नीति को इसमें शामिल करने में बहुत दिलचस्पी नहीं है। मालदीव के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले 45 वर्षीय नेता ने कहा कि हम सभी देशों, भारत, चीन और अन्य सभी देशों के साथ मिलकर काम करने जा रहे हैं। अक्टूबर में ब्लूमबर्ग न्यूज द्वारा प्रकाशित एक साक्षात्कार में मुइज्जू ने कहा था कि मालदीव ने अपनी सैन्य उपस्थिति हटाने के लिए भारत के साथ बातचीत शुरू कर दी है। पिछले महीने राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह को अपदस्थ करने वाले मुइज्जू ने भारतीय सैनिकों को हटाना एक प्रमुख अभियान प्रतिज्ञा थी। लगभग 70 भारतीय सैन्यकर्मी नई दिल्ली प्रायोजित रडार स्टेशनों और निगरानी विमानों का रखरखाव करते हैं। भारतीय युद्धपोत मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गश्त करने में मदद करते हैं।

भाजपा पर बरसे राहुल गांधी बोले- मोदी की गारंटी मतलब अडानी की गारंटी

छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमने शुरू में ही निर्णय ले लिया था कि किसानों को धान के लिए 2500 रुपए/क्विंटल मिलेंगे

छत्तीसगढ़ (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमने शुरू में ही निर्णय ले लिया था कि किसानों को धान के लिए 2500 रुपए/क्विंटल मिलेंगे। अगली बार जब हम मिलेगें तो आपको धान के लिए 3200 रूपएधक्विंटल मिलेंगे, क्योंकि ये निर्णय भी ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी ने अरबपतियों का 14 लाख करोड़ रूपया माफ कर दिया, लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी की गारंटी मतलब अडानी की गारंटी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की गारंटी कहती है– अडानी जी, आपको जो भी चाहिए, आपका मित्र नरेंद्र मोदी आपके हवाले कर देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जितना पैसा जनता से लिया है, हमें उतना ही पैसा किसानों, मजदूरों, महिलाओं और गरीबों की जेब में डालना है। अगर भाजपा अडानी को 1 रूपया देती है, तो यहां की जनता के खाते में 1 रूपया जाना चाहिए। क्योंकि हमें पता है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था इन्हीं किसानों, मजदूरों, महिलाओं और गरीबों से चलती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमने शुरू में ही निर्णय ले लिया था कि किसानों को धान के लिए 2500 रुपएधक्विंटल मिलेंगे। अगली बार जब हम मिलेगें तो आपको धान के लिए 3200 रूपएधक्विंटल मिलेंगे, क्योंकि ये निर्णय भी ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी ने अरबपतियों का 14 लाख करोड़ रूपया माफ कर दिया, लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। वहीं 5 साल पहले हमने आपसे कहा था कि छत्तीसगढ़ के किसानों का कर्ज माफ होगा और लाखों किसानों का कर्ज माफ किया गया। हम एक

केजरीवाल ने एलजी को भेजी सतर्कता मंत्री की रिपोर्ट, मुख्य सचिव को पद से हटाने की मांग

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सतर्कता मंत्री आतिशी की एक व्यापक रिपोर्ट उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना को भेज दी है, जिसमें मुख्य सचिव नरेश कुमार को तत्काल हटाने और निलंबित करने की सिफारिश की गई है। आतिशी द्वारा मंगलवार को सौंपी गई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि मुख्य सचिव भूमि मुआवजा घोटाले में शामिल थे, जिसने उनके बेटे से जुड़ी कंपनी को 850 करोड़ रुपये का अवैध लाभ पहुंचाया। सूत्रों ने कहा कि केजरीवाल ने आतिशी को मामले की आगे की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। 670 पृष्ठों की प्रारंभिक रिपोर्ट में विस्तृत जांच बामनोली गांव में भूमि के एक टुकड़े पर केंद्रित है, जिसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा द्वारका एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए अधिग्रहित किया गया था। आरोप है कि नरेश कुमार के बेटे से जुड़ी कंपनी द्वारा 2015 में महज 75 लाख रुपये में खरीदी गई जमीन एक सौदे का हिस्सा थी, जिसमें बढ़ी हुई दरों पर भूमि अधिग्रहण किया गया।

सम्पादकीय

शेयर बाजार के अबूझ अंतरिक्ष में गोते लगाते नजूमी

दीवार पर कई कंप्यूटर स्क्रीन लगी हैं। स्क्रीन पर लाल हरे रंगों में कुछ लाइनें उछलकूद कर रही हैं। करीब से देखने पर पता चलता है कि यहां संख्याएं धमाचौकड़ी मचा रही थीं। तरह तरह पैटर्न बन–बिगड़ रहे हैं। ग्राफ की लाइनों से स्क्रीन पर पर्वत–घाटियां बन रही हैं। ऐसी स्क्रीन के सामने खड़ा होता था, शेयर बाजार का स्वघोषित 'बाप ऑफ चार्ट' यानी नसीरुद्दीन अंसारी। शेयर बाजार का यह नजूमी इसी चार्ट विद्या के सहारे सोशल नेटवर्क पर हजारों लोगों को शेयर खरीदने–बेचने–सौदे करने की सलाह देता था। बीते महीने सेबी ने चार्ट के पिताजी को 17 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। निरा फ्रॉड साबित हुआ यह ज्योतिषी। टेक्निकल एनालिसिस या चार्ट की तकनीक शेयर बाजार, कमॉडिटी, विदेशी मुद्रा सौदों का ज्योतिष शास्त्र है। इनकी गणनाओं पर सेकंडों में करोड़ों इधर से उधर हो जाते हैं। कहते हैं कि इस विद्या के महारथी वक्त से पहले शेयरों, तेल, तांबा, स्टील, गेहूं आदि की कीमत भांप लेते हैं। सबसे पहले कमा लेते हैं या नुकसान बचा लेते हैं। किस्से तो यह भी हैं कि इस शास्त्र के जानकारों को मंदी की संभावना भी आंकना आता है। बीते कुछ वर्ष से इस इस चार्ट विद्या के माहिरों की बन आई है। कई तोता ज्योतिषी तो मोबाइल एप पर टेक्निकल चार्ट पढ़ाकर लोगों से आप्शन ट्रेडिंग करा रहे हैं। बाप ऑफ चार्ट भी यही करता था। मगर यह रोमांचक विद्या 17वीं सदी के जिस कवि या दार्शनिक की देन मानी जाती है, उसने एलानिया तौर पर लिखा था कि लोगों को शेयर खरीदने बेचने की सलाह नहीं देनी चाहिए, क्योंकि बाजार के किसी घटनाक्रम को समझने की हमारी क्षमता बहुत सीमित है। ऐसे में एक शानदार सलाह पर किया गया सौदा भी तबाह कर सकता था। कहते हैं कि ग्रीक बाजारों में असीरियन कारोबारी सामान की कीमतों का पुराना हिसाब रखते थे, जो आने वाले वक्त किसी सामान की कीमत में बढ़ोतरी या कमी का पैटर्न समझने में मदद करता था। यानी कि अगर खराब मौसम में पहले कीमतें बढ़ी थीं, तो फिर मौसम बिगड़ने पर ऐसा ही होगा। ज्यादा पीछे न जाते हुए, हम चलते हैं एम्सटर्डम, 17 वीं सदी की शुरुआत में। डच ईस्ट इंडिया कंपनी बन चुकी थी। इसके शेयरों की ट्रेडिंग के लिए दुनिया का पहला स्टॉक एक्सचेंज एम्सटर्डम में काम करने लगा था। डच ईस्ट इंडिया कंपनी 1602 में भारत से कारोबार के लिए बनी थी। टाइम मशीन के साथ इस यात्रा पर हम फिर कभी चलेंगे। अभी मिलिये जोसेफ डे ला वेगा से, जो मूलतरू अर्जेंटीना के निवासी थे लेकिन छोटी उम्र में एम्सटर्डम आ गए थे। जोसेफ हीरे के व्यापारी थे, दार्शनिक थे और कविता भी लिखते थे। साल 1688 में उन्होंने एक किताब लिखी। नाम है कन्फ्यूजन ऑफ कन्फ्यूजंस। गजब की किताब है यह। वेगा की यह रचना दुनिया की पहली स्टॉक इन्वेस्टमेंट गाइड है। वेगा जिस वक्त यह किताब लिख रहे थे, तब एम्सटर्डम वित्तीय जगत शेयर क्रांति से तप रहा था। डच ईस्ट इंडिया कंपनी के शेयरों में थोक में सौदे हो रहे थे। सट्टेबाजी हो रही थी। कारोबारी तरह–तरह की भविष्यवाणियां करते थे। जोसेफ डे ला वेगा ने कन्फ्यूजन ऑफ कन्फ्यूजंस में बताया कि किस तरह पुरानी कीमतों के पैटर्न के आधार पर भविष्य का आकलन हो सकता है। यह टेक्निकल एनालिसिस का न्यूटन मूमेंट था। 'कन्फ्यूजन ऑफ कन्फ्यूजंस' को वित्तीय बाजारों में बिहेवियर इकनॉमिक्स का उपनिषद भी माना जाता है। यह जापान का इडो युग था। तोकुगावा लेयासू के शासन में जापान की राजनीति स्थिर थी। वह आर्थिक प्रगति का दौर था। यह बात 1710 की है। चावल के बाजार में फ्यूचर्स सौदे शुरू हो गए थे। कीमतों को वक्त से पहले भांपने की जरूरत बढ़ रही थी। होम्मा मुनेशिया जापान के उत्तर–पश्चिमी तटीय शहर सकाता में चावल का धंधा करते थे। मुनेशिया ने कीमतों का एक कैंडलस्टिक पैटर्न विकसित किया और खूब पैसा कमाया। बाद में अन्य व्यापारी भी इसी कैंडल पैटर्न का प्रयोग करने लगे। होम्मा मुनेशिया ने 1755 में किताब लिखी थी– द फाउंटेन ऑफ गोल्ड– द थ्री मंकी रिकॉर्ड ऑफ मनी। मुनेशिया चावल बाजार के वारेन बफे थे। तत्कालीन सम्राट ने उन्हें अपना वित्तीय सलाहकार बनाया। होम्मा को समुराई की मानद उपाधि भी मिली थी। जापान में आज भी कैंडलस्टिक चार्ट को सकाता चार्ट कहा जाता है। जापान आए हैं, तो चीन को तरफ भी झांक लेते हैं। यहां कंन्फ्यूशियस के नियमों की रोशनी बाजार के आकलन की तकनीक बन रही थी। कन्फ्यूशियस ने कहा था कि कोई वस्तु 100 दिन से ज्यादा महंगी या सस्ती नहीं रहती। चीन के कारोबारियों के लिए यह टेक्निकल एनालिसिस का पहला अध्याय था। अमेरिकी चार्ट का आर्ट चार्ल्स डाउ से शुरु होता है। वह डाउ जोंस एंड कंपनी के संस्थापक थे। उन्होंने अमेरिका के शेयर बाजार में सूचीबद्ध उद्योग और परिवहन शेयरों की कीमतों का अध्ययन किया। डाउ ने 1896 के बाद हुए हर बदलाव को परखकर डाउ थ्योरी पेश की, जो शेयर कीमतों में बढ़त और कमी का सिद्धांत बताती है। चार्ल्स डाउ और उनके शोध से अमेरिका के प्रतिनिधि शेयर सूचकांक डाउ जोंस का नजदीकी रिश्ता है।

असली कृष्ण ने किया नकली कृष्ण का उद्धार

करुष्ण देश का एक राजा हुआ। नाम था पौंड्रक। उसके चाटुकार मंत्रियों ने पौंड्रक को यह विश्वास दिला दिया कि वही भगवान विष्णु का असली अवतार कृष्ण है। मंत्रियों के झांसे आया पौंड्रक स्वयं को सचमुच वासुदेव कृष्ण समझने लगा। उसने श्रीकृष्ण जैसा वेश भी धारण कर बना लिया। पौंड्रक ने सबसे पहले अपने शरीर पर नीला रंग करवाया। फिर उसने शंख और चक्र के साथ लकड़ी के दो अतिरिक्त हाथ बनवाए और उन्हें अपने कंधों पर बांधकर चतुर्भुज बन बैठा। उसने एक लाल मणि को कौस्तुभ नाम दिया और उसे भी गले में लटका लिया। फिर मुकुट में एक मोर पंख फंसाया और एक गदा एवं एक पद्म हाथ में लेकर घूमने लगा। उसने लोहे का एक पैर बनवाकर उसका चिह्न अपने वक्ष पर छपवा लिया क्योंकि वैसा ही एक पदचिह्न भगवान विष्णु के वक्ष पर बना है। हालांकि विष्णु के वक्ष पर बना पदचिह्न, वास्तव में महर्षि भृगु के पैर का निशान है जिसे श्रीवत्स भी कहते हैं। इस चिह्न को अंकित कराने में पौंड्रक को पीड़ा तो बहुत हुई किंतु कृष्ण की नकल करने के लिए उसे यह भी स्वीकार था। इस तरह पौंड्रक ने श्रीकृष्ण की तरह नकली अस्त्र–शस्त्र एवं वस्त्राभूषण धारण कर लिए। उसने स्वयं को भगवान घोषित कर दिया तथा राज्य में अन्य देवी–देवताओं की पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया। फिर भी द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण का यश कम नहीं हुआ। तब पौंड्रक के मंत्रियों ने उससे कहा कि यदि वासुदेव कृष्ण से आगे निकलना है, तो उन्हें युद्ध में पराजित करना होगा। धूर्त मंत्रियों के चंगुल में फंसे मूर्ख पौंड्रक ने श्रीकृष्ण के पास संदेश भेजारू 'वासुदेव! मैं भगवान विष्णु का अवतार हूं और मैं ही असल में नारायण का रूप हूं। मैंने संसार को अधर्म से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया है। मुझे पता लगा है कि तुम मेरा नाम और मेरे चिह्न जैसे श्रीवत्स, कौस्तुभ, सुदर्शन चक्र, मोरपंख आदि पाञ्जन्य शंख, कौमुदकी गदा तथा पद्म आदि का प्रयोग करते हो। मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूं कि तुम तत्काल मेरे नाम का दुरुपयोग करना छोड़कर समर्पण कर दो, अन्यथा मुझसे युद्ध करो!' पौंड्रक का संदेश सुनकर कृष्ण मुसकराए। उन्होंने दूत से कहा कि वह पौंड्रक की इच्छा अवश्य पूर्ण करेंगे। कुछ ही दिन में कृष्ण, सेना लेकर पौंड्रक से युद्ध करने पहुंच गए। कृष्ण के आगमन का समाचार सुनते ही, पौंड्रक तुरंत अपने नकली अस्त्र–शस्त्र धारण करके कृष्ण से युद्ध करने आ गया। पौंड्रक को देखकर यादव सेना जोर–जोर से हंसने लगी। कृष्ण ने पौंड्रक को देखा तो वे भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। कृष्ण को देखकर पौंड्रक चिल्लाया, 'रुक जाओ, ढोंगी कृष्ण! मुझे ध्यान से देखो। मुझे देखकर समझ गए होगे कि मैं ही विष्णु का अवतार और असली वासुदेव हूं। मैं अंतिम बार सावधान कर रहा हूं कि अब भी समय है, मेरे सामने समर्पण कर दो तो मैं तुम्हें क्षमा कर सकता हूं अन्यथा आज तुम यहां से जीवित वापस नहीं जाओगे।' पौंड्रक की बात सुनकर कृष्ण भोला–सा चेहरा बनाकर बोले, 'हां महाराज, आपकी बात सत्य है और आपका दावा भी सच्चा है।

स्वदेशीकरण ही एकमात्र रास्ता

वरुण गांधी

इस तरह इस दौरान अनुसंधान और विकास कार्य पर खर्च 5.1 फीसदी से गिरकर 4.5 से 4.3 प्रतिशत रह गया। रक्षा खरीद में बदलाव समय की मांग है। बेशक भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। 2002 से रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया में आठ संशोधन हुए हैं। पर अब भी यह प्रक्रिया जटिल ही है। वर्तमान में रक्षा अधिग्रहणों को 12 चरणों की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसमें वैश्विक व घरेलू आरएफआई जारी होने और इसके बाद विस्तृत आवश्यकताओं व विशिष्टताओं को परिभाषित करने से लेकर रक्षा मंत्रालय और सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की हरी झंडी मिलने तक कई प्रक्रियागत बाधाएं हैं। आमतौर पर सैन्य अधिग्रहण में एक दशक से अधिक का समय लग सकता है। मसलन, 56 सी–295 मध्यम परिवहन विमान की खरीद मामले को हम देख सकते हैं।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) के अनुसार, वर्ष 2016 से 2020 के बीच भारत के रक्षा आयात में रूस और इस्राइल की 62 फीसदी हिस्सेदारी रही। इस्राइल से भारत नियमित रूप से सर्विलांस सेंसर, मानव रहित हवाई वाहन, मिसाइल मार्गदर्शन प्रणाली और सटीक युद्ध सामग्री जैसी रक्षा खरीद करता है। रक्षा स्वदेशीकरण को लेकर चर्चा के बीच ऐसे आयातों की अहमियत बरकरार है। कारगिल युद्ध के दौरान इस्राइल ने भारत को महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर की आपूर्ति की थी, जिससे पाकिस्तान पर सैन्य जीत सुनिश्चित करने में खासी मदद मिली। इसी तरह फरवरी, 2019 में भारतीय वायुसेना के मिराज 2000–एच लड़ाकू विमानों ने बालाकोट में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों पर हमला करने के लिए इस्राइली क्रिस्टल मेज एमके–2 मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। यूक्रेन में चल रहे युद्ध ने रूस से सैन्य प्लेटफार्म डिलिवरी को काफी प्रभावित किया है। रूस ने पिछले पांच साल में करीब 13 अरब डॉलर के हथियारों की आपूर्ति की है। इससे आगे 10 अरब डॉलर की और आपूर्ति की मांग है। यूक्रेन में चल रहे युद्ध से रूस की स्थिति काफी उलझ गई है। इस बीच, इस्राइली सेना द्वारा गाजा पर आक्रमण जारी है। इससे भारत की हथियारों की आपूर्ति प्रभावित होगी। ऐसे में, रक्षा स्वदेशीकरण ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इसके लिए आधुनिकीकरण की दिशा में भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की जरूरत है। हमारा रक्षा बजट अब रूस के बराबर है। पर अधिकांश राशि वेतनध्पेंशन के लिए आवंटित की जाती है। पूंजीगत व्यय के लिए सीमित प्रावधान के साथ वित्त वर्ष 2024 में रक्षा मंत्रालय का बजट 5.94 लाख करोड़ का है। इसमें सैन्य आधुनिकीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित पूंजी परिव्यय के लिए महज 1.63 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं। 2008–2012 के बीच रक्षा बजट का पूंजीगत व्यय खर्च औसतन 32 फीसदी रहा, जो 2013–2017 के बीच घटकर 27 प्रतिशत और 2018–2022 के बीच 23 फीसदी रह गया। इस तरह इस दौरान अनुसंधान और विकास कार्य पर खर्च 5.1 फीसदी से गिरकर 4.5 से 4.3 प्रतिशत रह गया। रक्षा खरीद में बदलाव समय की मांग है। बेशक भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। 2002 से रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया में आठ संशोधन हुए हैं। पर अब भी यह प्रक्रिया जटिल ही है। वर्तमान में रक्षा अधिग्रहणों को 12 चरणों की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसमें वैश्विक व घरेलू आरएफआई जारी होने और इसके बाद विस्तृत आवश्यकताओं व विशिष्टताओं को परिभाषित करने से लेकर रक्षा मंत्रालय और सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की हरी झंडी मिलने तक कई प्रक्रियागत बाधाएं हैं। आमतौर पर सैन्य अधिग्रहण में एक दशक से अधिक का समय लग सकता है। मसलन, 56 सी–295 मध्यम परिवहन विमान की खरीद मामले को हम देख सकते हैं। इसमें सुधार के लिए, 2015 में मनोहर परिकर द्वारा गठित एक समिति द्वारा एक रक्षा क्षमता अधिग्रहण संगठन का प्रस्ताव रखा गया था। ऐसे संगठन की स्थापना करने का समय अब आ गया है। स्वदेशीकरण को प्रोत्साहित किया ही जाना चाहिए। इस दिशा में हाल ही में रक्षा मंत्री द्वारा जारी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में 98 हथियारों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का कदम स्वागत योग्य है। भारत को एक मजबूत मिलिटरी इंडस्ट्रियल कांप्लेक्स की जरूरत है। देश के निजी क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्रालय को अपने पिछले अनुभवों से सबक लेना चाहिए। मसलन, मार्च, 2022 में डेफएक्सपो को अचानक स्थगित कर दिया गया। जबकि उसमें करीब एक हजार कंपनियों ने स्टॉल लिए थे और प्रदर्शनी में महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक लागत आई थी। प्रमुख कौशलों को जीवित रखने के लिए भी रक्षा खरीद जरूरी है। सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल प्रणाली के विकास को ही लें। इसे 2008 में सार्वजनिक–निजी भागीदारी के माध्यम से विकसित किया गया था और इसमें रक्षा मंत्रालय द्वारा 3,000 विक्रेताओं को 11,800 भागों की आपूर्ति के लिए प्रमाणित किया गया था। बार–बार यह प्रवृत्ति दोहराई जाती है। तेजस को अपनी पहली उड़ान के 19 साल बाद पहला ऑर्डर मिला। भारत के निजी क्षेत्र को रक्षा विनिर्माण में गुणवत्ता संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए आगे आना चाहिए। कम प्रौद्योगिकी वाले रक्षा उत्पाद तकनीकी गड़बड़ियों, घटकों की विफलता और सौदे के बाद ग्राहकों को सीमित परिचालनध्सेवा सहायता के कारण बाधित हो रहे हैं। दुर्घटनाओं के कारण भी काफी नुकसान हुआ है। वर्ष 2009 में इक्वाडोर को बेचे गए सात एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों में से चार अलग–अलग वजहों से अनुबंध रद्द हो गया। इससे हमारी विश्वसनीयता को भी ठेस लगी। एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) तकनीकी गड़बड़ियों और आपातकालीन लैंडिंग से परेशान हैं। इससे संभावित उपयोगकर्ताओं के मन में अनिश्चितता पैदा हो रही है। अधिक निर्यात से गुणवत्ता सुधार में मदद मिल सकती है। रक्षा उत्पादन व निर्यात संवर्धन नीति, 2020 में वर्ष 2025 तक 25 अरब डॉलर का रक्षा उद्योग होने की बात कही गई है। इससे सालाना पांच अरब डॉलर के निर्यात का आकलन किया गया। दरअसल भारत हथियारों के निर्यात की प्रतिस्पर्धा में पिछड़ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वैसे केलकर समिति (2005) की सिफारिशों से रक्षा खरीद प्रक्रियाओं में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। रक्षा निर्यात में वृद्धि के लिहाज से फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की बैटरियों की हालिया बिक्री एक आशाजनक संकेत हो सकती है। इस क्रम में अपने निजी क्षेत्र को राजनयिक प्रयासों और सब्सिडी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों का पता लगाने और खरीदारों के साथ साझेदारी विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत होगी। भारत ज्यों–ज्यों अगले दशक में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होगा, उसे एक मजबूत डिफेंस–इंडस्ट्रियल कांप्लेक्स की आवश्यकता होगी, जो बड़े पैमाने पर और अपेक्षित गुणवत्ता पर रक्षा आवश्यकताएं पूरी करने में सक्षम हो। इस तरह इस दौरान अनुसंधान और विकास कार्य पर खर्च 5.1 फीसदी से गिरकर 4.5 से 4.3 प्रतिशत रह गया। रक्षा खरीद में बदलाव समय की मांग है। बेशक भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। 2002 से रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया में आठ संशोधन हुए हैं। पर अब भी यह प्रक्रिया जटिल ही है। वर्तमान में रक्षा अधिग्रहणों को 12 चरणों की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसमें वैश्विक व घरेलू आरएफआई जारी होने और इसके बाद विस्तृत आवश्यकताओं व विशिष्टताओं को परिभाषित करने से लेकर रक्षा मंत्रालय और सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की हरी झंडी मिलने तक कई प्रक्रियागत बाधाएं हैं। आमतौर पर सैन्य अधिग्रहण में एक दशक से अधिक का समय लग सकता है। मसलन, 56 सी–295 मध्यम परिवहन विमान की खरीद मामले को हम देख सकते हैं। इसमें सुधार के लिए, 2015 में मनोहर परिकर द्वारा गठित एक समिति द्वारा एक रक्षा क्षमता अधिग्रहण संगठन का प्रस्ताव रखा गया था। ऐसे संगठन की स्थापना करने का समय अब आ गया है। स्वदेशीकरण को प्रोत्साहित किया ही जाना चाहिए। इस दिशा में हाल ही में रक्षा मंत्री द्वारा जारी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में 98 हथियारों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का कदम स्वागत योग्य है। भारत को एक मजबूत मिलिटरी इंडस्ट्रियल कांप्लेक्स की जरूरत है। देश के निजी क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्रालय को अपने पिछले अनुभवों से सबक लेना चाहिए। मसलन, मार्च, 2022 में डेफएक्सपो को अचानक स्थगित कर दिया गया। जबकि उसमें करीब एक हजार कंपनियों ने स्टॉल लिए थे और प्रदर्शनी में महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक लागत आई थी। प्रमुख कौशलों को जीवित रखने के लिए भी रक्षा खरीद जरूरी है। सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल प्रणाली के विकास को ही लें। इसे 2008 में सार्वजनिक–निजी भागीदारी के माध्यम से विकसित किया गया था और इसमें रक्षा मंत्रालय द्वारा 3,000 विक्रेताओं को 11,800 भागों की आपूर्ति के लिए प्रमाणित किया गया था। बार–बार यह प्रवृत्ति दोहराई जाती है। तेजस को अपनी पहली उड़ान के 19 साल बाद पहला ऑर्डर मिला। भारत के निजी क्षेत्र को रक्षा विनिर्माण में गुणवत्ता संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए आगे आना चाहिए। कम प्रौद्योगिकी वाले रक्षा उत्पाद तकनीकी गड़बड़ियों, घटकों की विफलता और सौदे के बाद ग्राहकों को सीमित परिचालनध्सेवा सहायता के कारण बाधित हो रहे हैं। दुर्घटनाओं के कारण भी काफी नुकसान हुआ है। वर्ष 2009 में इक्वाडोर को बेचे गए सात एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों में से चार अलग–अलग वजहों से अनुबंध रद्द हो गया। इससे हमारी विश्वसनीयता को भी ठेस लगी। एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) तकनीकी गड़बड़ियों और आपातकालीन लैंडिंग से परेशान हैं। इससे संभावित उपयोगकर्ताओं के मन में अनिश्चितता पैदा हो रही है। अधिक निर्यात से गुणवत्ता सुधार में मदद मिल सकती है। रक्षा उत्पादन व निर्यात संवर्धन नीति, 2020 में वर्ष 2025 तक 25 अरब डॉलर का रक्षा उद्योग होने की बात कही गई है। इससे सालाना पांच अरब डॉलर के निर्यात का आकलन किया गया। दरअसल भारत हथियारों के निर्यात की प्रतिस्पर्धा में पिछड़ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वैसे केलकर समिति (2005) की सिफारिशों से रक्षा खरीद प्रक्रियाओं में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। रक्षा निर्यात में वृद्धि के लिहाज से फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की बैटरियों की हालिया बिक्री एक आशाजनक संकेत हो सकती है।

कहानी प्रसिद्ध भारतीय पक्षी-विज्ञानी डॉ. सलीम अली की

जब आप श्बर्डमैन ऑफ इंडियाश शब्द सुनते हैं तो आपके दिमाग में कौन आता है? इस नाम से जानने वाले डॉ. सलीम मोइजुद्दीन अब्दुल अली, एक ऐसे व्यक्ति थे जिनकी गहन टिप्पणियों और पंछियों के बारे में किए गए अध्ययन ने हर किसी के दृष्टिकोण को बदल दिया है, चाहे वह पक्षी विज्ञानी, पर्यावरणविद, प्रकृतिवादी या कोई भी व्यक्ति हो जो पक्षी–पालन के क्षेत्र से थोड़ा भी जुड़ा है। पक्षियों के अध्ययन में अपने महान योगदान के लिए प्रसिद्ध भारतीय पक्षी–विज्ञानी डॉ. सलीम अली, ऐसे पहले शख्स थे जिन्होंने ने भारत में पहली बार व्यवस्थित पक्षी सर्वेक्षण करवाया था। श्द बुक ऑफ इंडियन बर्ड्सश सहित उनकी कई पुस्तकों ने कई पक्षी विज्ञानी और प्रकृति प्रेमियों में पंछियों के बारे में दिलचस्पी पैदा की है और हमारे आसपास के पंख वाले दोस्तों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान की है। क्या आप जानते हैं कि बचपन में डॉ. अली को स्पोर्ट–शूटिंग में गहरी रुचि थी? बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) के पूर्व सचिव डब्ल्यू.एस. मिलार्ड ने उन्हें पक्षियों के अध्ययन से परिचित कराया था, जिन्होंने एक असामान्य रंग की गौरैया (बाद में पीतगला गौरैया के रूप में पहचानी गई) को पहली बार देखा, जिसे युवा सलीम ने अपने खिलोने वाली बन्दूक (एयर गन) के साथ खेल के लिए शूट किया था। डॉ. सलीम अली की रुचि तब बढ़ने लगी जब मिलार्ड ने उन्हें बीएनएचएस के खिलोने–पक्षियों का संग्रह दिखाया और उन्हें कुछ पक्षियों की किताबें उधार दीं। हर साल 5 से 12 नवंबर के बीच हम राष्ट्रीय पक्षी सप्ताह मनाते हैं। यह सप्ताह का महत्त्व न केवल डॉ. अली के जन्मदिन (12 नवंबर) को मानाने या उनकी विरासत और योगदान को श्रद्धांजलि देने से है, बल्कि कई बर्डिंग वॉक, पंछियों के बारे में जागरूक करने वाली प्रस्तुतियां पेश करके और पक्षी–गणना जैसे कई प्रयास से जुड़ा है जो की भारत की समृद्ध एवियन जैव विविधता की सराहना और इसके संरक्षण की आवश्यकता को बढ़ावा दे सकती हैं। ये पक्षी–दर्शन और पक्षी–गणना कार्यक्रम पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और पक्षी प्रजातियों और उनके आवासों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस वर्ष बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी डॉ. सलीम अली द्वारा लिखे गए पत्र, उनकी डायरी, फील्ड नोट्स, टाइपराइटर, कैमरा, दूरबीन, पासपोर्ट और पुरस्कार सहित उनके व्यक्तिगत सामानों का संग्रह प्रदर्शित करेंगे जिससे उनकी विरासत का सम्मान हो सके और इससे लोगों में भी पंछियों के प्रति रूचि बढ़ सके। इतना ही नहीं, देश भर में कई बर्डिंग समुदायों द्वारा कई बर्ड–वॉचिंग और बर्ड–काउंट फील्ड यात्राएं आयोजित की जा रही हैं। यह सप्ताह श्री मारुति चितमपल्ली जी की जन्म का भी स्मरण करता है जिन्होंने हमारी प्रकृति और वन्य जीवन के संरक्षण में अद्वितीय योगदान दिया है। महाराष्ट्र के उप मुख्य वन संरक्षक के पद से सेवानिवृत्त, चितमपल्ली जी ने जंगल और उसके आसपास की दुनिया के कई तत्वों को साहित्य के रूप में अपने शब्दों में पिरोया है। पक्षी हों या पौधे, मराठी साहित्य में कई नए नाम उन्हीं की वजह से दर्ज हुए हैं। यह सप्ताह उन सभी पक्षी विज्ञानियों, प्रकृतिवादियों, पर्यावरणविदों और प्रकृति प्रेमियों के सम्मान में भी मनाया जाता है जिहोने पंछी जगत को समझने और अपनी इस शिक्षा को सबमे बाँट कर व् पंछियों को बचाने के लिए अनेक प्रयास और विभिन्न योगदान दिए हैं। बर्ड काउंट इंडिया हर साल की तरह पक्षी–गणना कार्यक्रम आयोजित करता है और सभी को इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस तरह के आयोजन वर्ष भर किसी क्षेत्रध्इलाके में खोजी जा सकने वाली विविधता में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्द बुक ऑफ इंडियन बर्ड्सश सहित उनकी कई पुस्तकों ने कई पक्षी विज्ञानी और प्रकृति प्रेमियों में पंछियों के बारे में दिलचस्पी पैदा की है और हमारे आसपास के पंख वाले दोस्तों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान की है। क्या आप जानते हैं कि बचपन में डॉ. अली को स्पोर्ट–शूटिंग में गहरी रुचि थी? बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) के पूर्व सचिव डब्ल्यू.एस. मिलार्ड ने उन्हें पक्षियों के अध्ययन से परिचित कराया था, जिन्होंने एक असामान्य रंग की गौरैया (बाद में पीतगला गौरैया के रूप में पहचानी गई) को पहली बार देखा, जिसे युवा सलीम ने अपने खिलोने वाली बन्दूक (एयर गन) के साथ खेल के लिए शूट किया था। डॉ. सलीम अली की रुचि तब बढ़ने लगी जब मिलार्ड ने उन्हें बीएनएचएस के खिलोने–पक्षियों का संग्रह दिखाया और उन्हें कुछ पक्षियों की किताबें उधार दीं।

जल और ऊर्जा के अलावा नवाचार की भी संभावनाएं

अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचारों से सक्षम भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश निजी कंपनियों के सहयोग से अंतरिक्ष ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। अमेरिका और चीन भी आर्टिमिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन के माध्यम से इन अंतरिक्ष संसाधनों तक पहुंचने की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अंतरिक्ष खनन के लिए जो तकनीकें विकसित की जा रही हैं, उनमें प्रमुख हैं रोबोट्स उपग्रह, जिनका उपयोग वर्तमान में खगोलशात्रीय आकलन, खनिज संचयन, और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जा रहा है। तकनीकी प्रगति ने चंद्र मिशनों की लागत को काफी कम कर दिया है। इसका श्रेय पुनः प्रयोज्य रॉकेट प्रौद्योगिकी और डिजिटल क्रांति द्वारा संचालित अंतरिक्ष यान डिजाइन को दिया जाता है। दो अमेरिकी कंपनियां–स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन सुपर हैवी लिफ्ट लॉन्चर विकसित कर रहीं हैं,

दहीवीर सिंह

भारत की चंद्रयान–3 की सफलता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत की उपस्थिति की अपूर्व यशगाथा ने जैसे अंतरिक्ष अभियानों को नई ऊर्जा दे दी है! अब अंतरिक्ष अन्वेषणों के साथ उसके दोहन की भी तैयारियां हो रही हैं। विश्व के कई देशों की सरकारों और निजी कंपनियों ने न केवल अन्वेषणों के लिए, बल्कि संसाधनों के दोहन के लिए सितारों पर अपनी गिद्ध दृष्टि गड़ा दी है। अंतरिक्ष में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को खोजने और उनका दोहन करने के लिए एक वैश्विक दौड़ शुरू हो गई है। अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचारों से सक्षम भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश निजी कंपनियों के सहयोग से अंतरिक्ष ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। अमेरिका और चीन भी आर्टिमिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन के माध्यम से इन अंतरिक्ष संसाधनों तक पहुंचने की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अंतरिक्ष खनन के लिए जो तकनीकें विकसित की जा रही हैं, उनमें प्रमुख हैं रोबोट्स उपग्रह, जिनका उपयोग वर्तमान में खगोलशात्रीय आकलन, खनिज संचयन, और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जा रहा है। तकनीकी प्रगति ने चंद्र मिशनों की लागत को काफी कम कर दिया है। इसका श्रेय पुनः प्रयोज्य रॉकेट प्रौद्योगिकी और डिजिटल क्रांति द्वारा संचालित अंतरिक्ष यान डिजाइन को दिया जाता है। दो अमेरिकी कंपनियां–स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन सुपर हैवी लिफ्ट लॉन्चर विकसित कर रहीं हैं, जो बड़े पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में ले जा सकते हैं। विश्व भर में कई अन्य पुनः प्रयोज्य वाहन विकसित किए जा रहे हैं। अंतरिक्ष संसाधनों में मुख्य रूप से जल–युक्त चंद्र वाष्पशील पदार्थ और रेजोलिथ सम्मिलित हैं। चंद्र जल एक मूल्यवान संसाधन है, क्योंकि चंद्र जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित कर रॉकेट ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। पृथ्वी की अपेक्षा चंद्रमा के निर्बल गुरुत्वाकर्षण के कारण चंद्रमा से पानी निकालना और उसे परिवहन के उपयोग में लाना आसान है, जिससे यह अंतरिक्ष अभियानों के लिए एक संभावित गेम–चेंजर बन सकता है। इसके अलावा चंद्रमा का रेजोलिथ भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए भोजन, जल, वायु, और निर्माण सामग्री सहित आवश्यक सामग्री प्रदान कर सकता है। अंतरिक्ष संसाधन स्थलीय खनन के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में भी सहायता कर सकते हैं, विशेष रूप से निकल, कोबाल्ट, और पृथ्वी की दुर्लभ धातुओं के लिए, जो पृथ्वी पर स्वच्छ, प्रदूषण–मुक्त ऊर्जा के लिए आवश्यक हैं। अमेरिका में नासा के मोक्सी ने हाल के प्रयोगों से अन्य ग्रहों के संसाधनों जैसे कि मंगल के वायुमंडल से ऑक्सीजन का उत्पादन करने की उत्सुकता प्रकट की है। नासा की दृष्टि पृथ्वी के चंद्रमा से लेकर शुक्र, मंगल, शनि और शनि के चंद्रमाओं तक पर है, जहां पर वह दुर्लभतम धातुओं के खनन से लेकर ऊर्जा स्रोतों तक के दोहन की तैयारियां कर रही हैं। भारत भी पीछे नहीं है। मंगल मिशन, चंद्र मिशन और सूर्य मिशन के बाद शुक्र ग्रह हमारा अगला लक्ष्य हो सकता है। अंतरिक्ष की अपनी पर्यावरणीय चुनौतियां हैं। रॉकेट लॉन्चिंग की घटनाओं की भरमार से वायुमंडल पर असर पड़े बिना नहीं रह सकता, और पृथ्वी पर सामग्री लौटने से जलवायु पर प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, अंतरिक्ष खनन नाजुक अंतरिक्ष पर्यावरण को बाधित कर सकता है तथा अंतरिक्ष यानों एवं अंतरिक्ष यात्रियों के लिए अनेक जोखिम पैदा कर सकता है। अंतरिक्ष अनुसंधान और अंतरिक्ष संसाधनों के विवेकपूर्ण दोहन के क्षेत्र में इसरो भारत को अंतरिक्ष गुरु बना सकता है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी ब्रह्मांड के अनेक रहस्य छिपे हो सकते हैं। प्राचीन भारतीय ग्रंथों को पुनः खंगाल कर उनमें छिपे ज्ञान का श्खननश भी आवश्यक है। अंतरिक्ष खनन एक ऐसा क्षेत्र है, जो हमारे लिए अनगिनत अवसर और संभावनाएं प्रदान करता है। खनिज, जल और ऊर्जा के अतिरिक्त नवाचार की भी अनेक संभावनाएं इस क्षेत्र से जुड़ी हैं। इन खोजों से प्राप्त होने वाले खगोलीय डाटा से हमारे अंतरिक्ष ज्ञान को और विस्तार मिलेगा। अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचारों से सक्षम भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश निजी कंपनियों के सहयोग से अंतरिक्ष ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। अमेरिका और चीन भी आर्टिमिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन के माध्यम से इन अंतरिक्ष संसाधनों तक पहुंचने की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अंतरिक्ष खनन के लिए जो तकनीकें विकसित की जा रही हैं, उनमें प्रमुख हैं रोबोट्स उपग्रह, जिनका उपयोग वर्तमान में खगोलशात्रीय आकलन, खनिज संचयन, और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जा रहा है। तकनीकी प्रगति ने चंद्र मिशनों की लागत को काफी कम कर दिया है।

इसका श्रेय पुनः प्रयोज्य रॉकेट प्रौद्योगिकी और डिजिटल क्रांति द्वारा संचालित अंतरिक्ष यान डिजाइन को दिया जाता है। दो अमेरिकी कंपनियां–स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन सुपर हैवी लिफ्ट लॉन्चर विकसित कर रहीं हैं, जो बड़े पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में ले जा सकते हैं। विश्व भर में कई अन्य पुनः प्रयोज्य वाहन विकसित किए जा रहे हैं। अंतरिक्ष संसाधनों में मुख्य रूप से जल–युक्त चंद्र वाष्पशील पदार्थ और रेजोलिथ सम्मिलित हैं। चंद्र जल एक मूल्यवान संसाधन है, क्योंकि चंद्र जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित कर रॉकेट ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। पृथ्वी की अपेक्षा चंद्रमा के निर्बल गुरुत्वाकर्षण के कारण चंद्रमा से पानी निकालना और उसे परिवहन के उपयोग में लाना आसान है,।

अब हफ्ते में केवल एक गोली और शुगर का लेवल सामान्य- डा वी एस उपाध्याय

उत्तम डायबिटीज प्रबंधन के लिए इंसुलिन लेना बेहतर- डा वी एस उपाध्याय'

लायन्स क्लब जौनपुर मेन ने डायबिटीज जागरुकता के लिए निकाली पद यात्रा, की संगोष्ठी'

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा स्थान जिला अस्पताल के सभागार में डायबिटीज नियंत्रण व रोकथाम विषय पर संगोष्ठी आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि डा के के राय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य वक्ता वरिष्ठ हृदय व डायबिटीज रोग विशेषज्ञ डा वी एस उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि दिनेश टंडन पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद रहे। संस्थाध्यक्ष डा संदीप मौर्य ने लोगों का स्वागत किया।

इस अवसर पर डा वी एस उपाध्याय ने विस्तार से बताया कि डायबिटीज इस वक्त किसी महामारी से कम नहीं है। खासतौर से भारत में जिस रफ्तार से इसके मामले बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए भारत को दुनिया की डायबिटिक कैपिटल कहा जाने लगा है। डायबिटीज मरीजों को शुगर नियंत्रण में रखने के लिए रोज गोली खानी पड़ती है। कई बार वह भूल भी जाते है। अब नया नुस्खा आ गया है, जो हफ्ते में केवल एक बार लेना होगा। इससे पूरे सप्ताह शुगर लेवल नियंत्रण में रहेगा। इस दवा का नाम सेमाग्लूटाइड रीबेलसुस 3, 7 व 14 एमजी की गोलियां उपलब्ध है। इसका प्रयोग करने से शुगर अच्छे ढ़ग से कंट्रोल होता है। आगे डा उपाध्याय ने कहा कि इंसुलिन एक दवा की तरह है। अगर शुगर जरूरत से ज्यादा बढ़ जाए तो इंसुलिन सबसे अच्छा और सबसे सुरक्षित विकल्प है। इंसुलिन लेने से शरीर के सभी आर्गन व उससे सम्बंधित कोशिकाएं बेहतर ढंग से काम करती हैं। शरीर स्वस्थ रहता है व लाइफ लम्बी होती हैं। इसलिए गोली से बेहतर इंसुलिन है जो शुगर प्रबंधन में अच्छा है।

पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका दिनेश टंडन ने कहा कि शुगर के शिकंजे में आने के बाद व्यक्ति दवाओं पर निर्भर हो जाता है, लेकिन खानपान व जीवनशैली में सुधार किया जाए तो इस बीमारी के खिलाफ अपना सुरक्षा कवच मजबूत भी किया जा सकता है। डा सैफ खान ने कहा कि भारत में डायबिटीज की बीमारी का दायरा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। गैर संक्रामक रोग होने के बावजूद भी जिस तरह से ये बीमारी बढ़ रही है वो खतरे का संकेत है। भारत की करीब 11 प्रतिशत आबादी डायबिटीज रोगी है व 15 प्रतिशत आबादी प्री–डायबिटीज की स्टेज में जा चुकी है। इसलिए सावधानी जरुरी है। इसके पूर्व लायन्स सदस्य डायबिटीज जागरुकता पद यात्रा स्थान आशादीप हास्पिटल अहियापुर से शुरू कर नगर भ्रमण करते हुए जिला अस्पताल तक गयें। पद यात्रा में सदस्य डायबिटीज जागरुकता के लिए बैनर व तख्ती लिए चल रहे थे तथा लोगों को डायबिटीज के प्रति जागरूक कर रहे थे। आभार सचिव जीहशम मुफ्ती ने व्यक्त किया। संचालन सै. मो मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर डा ओ पी सिंह, डा एस पी तिवारी, शकील अहमद, सोमेश्वर केसरवानी, संदीप गुप्ता, राम कुमार साहू, मदन गोपाल गुप्ता, राधेरमण जायसवाल, आर पी सिंह, वजीह आब्दी, सुनील अग्रहरि, अली अहमद आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बद्रीनाथ मठ स्थित प्राचीन मंदिर में विधि विधान से पूजे गए भगवान चित्रगुप्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आज चित्रगुप्त पूजन पर संगत पंगत जौनपुर, कायस्थ महासभा 2150 व श्री चित्रगुप्त पूजन समिति जौहरी बारीनाथ मठ व कायस्थ समाज जौनपुर द्वारा संयुक्त रूप से श्री चित्रगुप्त प्राचीन मंदिर बारीनाथ मठ उर्दू बाजार में श्री भगवान चित्रगुप्त जी का पूजन आरती सादगी के साथ संपन्न हुआ। कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त की पूजा विधि एव कथा पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कायस्थ जाति को उत्पन्न करने वाले भगवान चित्रगुप्त का जन्म यम द्वितीया के दिन हुआ।राष्ट्रीय सचिव राजीव श्रीवास्तव राजू ने कहा कि कायस्थ महासभा 2150 जिले में एक ऐतिहासिक सम्मेलन करेगा । वरिष्ठ नेता राकेश श्रीवास्तव साधु ने कहा कि कायस्थ महासभा इसी दिन कायस्थ जाति और कलमजीवी लोग अपने घरों में भगवान चित्रगुप्त की पूजा करते हैं। कार्यक्रम संयोजक राकेश श्रीवास्तव वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष कायस्थ महासभा ने कहा कि उन्हें मानने वाले इस दिन कलम और दवात का इस्तेमाल नहीं करते।कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा भगवान चित्रगुप्त जी के पूजन से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। संगत पंगत जौनपुर के प्रभारी व पूर्व महासचिव अजय वर्मा अज्जू जीवात्मा के कर्मों का लेखा जोखा रखने वाले भगवान हैं चित्रगुप्त। भगवान चित्रगुप्त जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त जीवों के सभी कर्मों को अपनी पुस्तक में लिखते रहते हैं प्रदेश प्रवक्ता युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार ने कहा कि जब जीवात्मा मृत्यु के पश्चात यमलोक में पहुचता है तो उनके कर्मों के अनुसार स्वर्ग और नर्क में भेज देते हैं। संगत पंगत के वरिष्ठ नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी के हाथों में कर्म की किताब, कलम, दवात और जल है कायस्थ समाज के वरिष्ठ नेता व भाजपा नेता सुरेश अस्थाना ने कहा कि कुशल लेखक हैं और इनकी लेखनी से जीवों को उनके कर्मों के अनुसार न्याय मिलती है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव उर्फ रवि एडवोकेट ने कहा कि कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि को भगवान चित्रगुप्त की पूजा का विधान है। प्रदेश संगठन मंत्री कायस्थ महासभा उमेश श्रीवास्तव फूफा ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार जब ब्रह्मा जी सृष्टि की रचना कर रहे थे। राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी अनुपम श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए और जीवन–मृत्यु के चक्र को चलाने के लिए यमराज की उत्पत्ति भी की थी। संगत पंगत के वरिष्ठ नेता संतोष श्रीवास्तव वी आर पी ने कहा कि जब यमराज को यह पता चला कि उनका जन्म सृष्टि के लोगों के उद्धार के लिए हुआ है। तो उन्होंने इसके लिए ब्रह्मा जी से एक सहायता मांगी। सहायता हेतु ब्रह्मा जी ने कठोर तप किया और उस तप से भगवान चित्रगुप्त की उत्पत्ति हुई। वरिष्ठ नेता संगत पंगत संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि तब से भगवान चित्रगुप्त यमराज के दूत बनकर सभी मनुष्य के जीवन–मृत्यु के समय और जीवन में किए गए पाप–पुण्य का लेखा–जोखा रखते हैं।पूजन में हरिशंकर श्रीवास्तव,राजू भैया भैया वकील,राकेश श्रीवास्तव,संजय श्रीवास्तव,संजीव श्रीवास्तव,सुरेश अस्थाना,उमेश चंद्र श्रीवास्तव,अनिल श्रीवास्तव (विक्की),आलोक श्रीवास्तव,–अखिलेश श्रीवास्तव,संतोष श्रीवास्तव,विजय श्रीवास्तव,अमर श्रीवास्तव,अनुराग श्रीवास्तव,.रू शिव शंकर श्रीवास्तव नवीन श्रीवास्त अरुण वर्मा अनुपम श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव विश्व प्रकाश श्रीवास्तव (दीपक).रू अजय वर्मा अज्जू गौरव श्रीवास्तव (राजा) राकेश श्रीवास्तव (साधू) राहुल सिन्हा

गिरिजेश श्रीवास्तव,,संदीप श्रीवास्तव, वैभव जौहरी,आदित्य मान जौहरी,वर्षिता जौहरी,अंशुमान जौहरी,प्रतीक्षा जौहरी,पंकज जौहरी,मोहित जौहरी,प्रखर जौहरी,प्रतीक जौहरी,राजीव जौहरी, आंचल जौहरी, राकेश कुमार श्रीवास्तव (उर्दू बाजार), संतोष निगम, राजेश श्रीवास्तव (सदर चुंगी), डॉ विवेक श्रीवास्तव डॉ नीलेश श्रीवास्तव डॉ सलिल श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव दयाशंकर निगम आदि मौजूद रहे।

कायस्थ समाज ने निकाला चित्रगुप्त भगवान की शोभायात्रा

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के बैनर तले निकली शोभायात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा चित्रगुप्त पूजन उत्सव के पावन पर्व पर श्री चित्रगुप्त जी महाराज की भव्य शोभायात्रा नगर में बुधवार को निकाला गया जिसमें जनपद के दूर दराज से आए चित्रांश बंधुओ के साथ कई गणमान्य व समाजसेवी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद में विधि विधान से भगवान चित्रगुप्त जी की पूजा अर्चना करके 2रू00 बजे दिन में भगवान चित्रगुप्त की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में चित्रांश बंधुओ ने हिस्सा लिया शोभायात्रा में भव्य रूप से रथ सजाया गया था जिसकी सुंदरता लोगों को मंत्र मुग्ध कर रही थी शोभायात्रा नगर पालिका परिषद से चलकर कोतवाली चौराहा ,चहारसू चौराहा ओलन गज होते हुए रुहट्टा स्थित चित्रकूट धर्मशाला पर पहुंची जहां पर चित्रगुप्त भगवान जी की भव्य आरती चित्रांश बंधुओ द्वारा करने के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव रहे। शोभा यात्रा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त पूरे संसार का लेखा–जोखा रखते हैं जो हमारे आराध्य देवता हैं हम लोग आज के दिन अपने आराध्य देवता की पूजा कर पूरे संसार की भलाई के लिए उनसे प्रार्थना करते हैं।शोभा यात्रा में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव प्रदेश सचिव श्रीकांत श्रीवास्तव,प्रदेश सचिव मनीष श्रीवास्तव प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार महिला प्रदेश अध्यक्ष डॉ अंजना श्रीवास्तव मयंक श्रीवास्तव दयाशंकर निगम पत्रकार संजय अस्थाना वरिष्ठ पत्रकार शशि राज सिन्हा आशीष श्रीवास्तव श्याम रतन श्रीवास्तव सरोज श्रीवास्तव विनय श्रीवास्तव सभा के संरक्षक आनंद मोहन श्रीवास्तव सर्व श्रीवास्तव सरोज श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष भाजपा अमित श्रीवास्तव उपाध्यक्ष भाजपा पंकज श्रीवास्तव हैप्पी एससी लाल श्रीवास्तव अमन श्रीवास्तव नलिनी श्रीवास्तव और प्रदीप पूनम श्रीवास्तव अंजना श्रीवास्तव आनंद शंकर श्रीवास्तव मोहन शंकर श्रीवास्तव आनंद स्वरूप वर्मा प्रदीप श्रीवास्तव देव पंकज सिन्हा सिंगर मनीष श्रीवास्तव साहित्य सैकड़ो चित्रांश शोभायात्रा में शामिल हुए संचालन मनीष श्रीवास्तव सभासद ने किया।

लखनऊ में उपमा के 6 वें वार्षिक अधिवेशन में जुटेंगे देश के वित्तीय विशेषज्ञ

प्रदेश में एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी को बढ़ावा देने हेतु माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के योगदान पर होगी परिचर्चा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस असोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) के दद्वारा साइनर के एक स्थानीय होटल गोमती में एक पेस वार्ता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के दौरान आगामी दिनाक 20 नवंबर 2023 को लखनऊ के होटल ताज में आयोजित होने जा रहे उपमा के 6 वें वार्षिक समारोह के बारे में जानकारी दी गयी। इस अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कुंवर बृजेश सिंह राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन ने तथा मुख्य वक्ता के रूप में एच आर खान पूर्व गवर्नर भारतीय रिजर्व बैंक अपनी सहमति प्रदान की है।

उपमा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर सिन्हा ने बताया कि आगामी 20 नवंबर को लखनऊ शहर में आयोजित होने जा रहे इस वार्षिक अधिवेशन में परिचर्चा का मुख्य और अति महत्वपूर्ण विषय चुना गया है और वह हैं ष्उत्तर प्रदेश में एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को सफल बनाने में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों का क्या योगदान होगा। इस कॉन्फ्रेंस में अनेक वित्तीय विशेषज्ञ, माइक्रो फाइनांस कंपनी के सीईओ के साथ साथ नाबार्ड, आरबीआई तथा सिडबी के वरिष्ठ अधिकारीगण भाग लेंगे । माइक्रो फाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) प्रति वर्ष अपना वार्षिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं संस्था इस वर्ष अपने स्थापना के दस वर्ष भी पूरे कर रही है।

माइक्रो फाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की स्थापना 15 दिसंबर २०१३ को हुई थी माइक्रो फाइनेंस संस्थाएं भारतीय रिजर्व बैंक से रजिस्टर्ड होती हैं तथा समाज के द्य सबसे कमजोर वर्ग को उनके गृह स्थल पर रोजगारपरक ऋण उपलब्ध कराती हैं एसोसिएशन के साथ समान क्षेत्र कार्य करने वाली लगभग तीस संस्थाएं जुड़ी हुई हैं। एसोसिएशन अपने सदस्य संस्थाओं को स्वस्थ एवं पारदर्शी विधि से ग्राहकों को ऋण देने हेतु प्रोत्साहित करती है साथ ही एसोसिएशन इस बात पर नजर रखती है।

कि सभी संस्थाएं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिपादित नियमों का अक्षरशः पालन करती है एसोसिएशन सदस्य संस्थाओं के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती हैं साथ ही ग्राहकों के लिए भी डिजिटल लिटरेसी तथा वित्तीय साक्षरता जैसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

आज के कार्यक्रम में एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर सिन्हा सहित बोर्ड सदस्य, सैटिन क्रेडिट केयर से भारत सिंह तथा सोनाटा फाइनेंस से अनूप सिंह एवं अखिलेश सिंह उपस्थित रहे।

पाप पुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त सभी के लिए अनुकरणीय : अनुराग श्रीवास्तव

हरदोई। श्री चित्रगुप्त सामूहिक कलम दवात पूजन उत्सव बरुआ बाजार शाहाबाद में धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर श्री चित्रगुप्त धाम सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पाप पुण्य का लेखा–जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त सभी के लिए अनुकरणीय हैं। समाज में प्रेम का प्रकाश हो और अंधियारा मिट जावे यही संकल्प है।

विशेषज्ञ अंबरीश कुमार सक्सेना ने कहा की श्री चित्रगुप्त धाम सेवा ट्रस्ट के द्वारा सामूहिक कलम दवात पूजन कराने का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी के माध्यम से अपनी पुरानी संस्कृति व परांम्परा को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि कलम दवात का पूजन केवल मात्र कायस्थ समाज से संम्बधित नही है बल्कि यह पर्व समाज के सभी वर्गो, जाति व समुदाय के लोगो के लिए महत्वपूर्ण है।

मान्यता है कि दीपावली के तीसरे दिन, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि को कलम दवात पूजा के रूप में मनाया जाता है।यह त्यौहार उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, उड़ीसा बंगाल कर्नाटक केरल जम्मू कश्मीर दिल्ली आदि सभी राज्यों में सामूहिक रूप से भागवान चित्रगुप्त जी की प्रतिमा या चित्र के सम्मुख बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर, चित्रगुप्तपूजन और यज्ञ के साथ किया गया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं भक्तों ने कागज कलम की पूजा की। यह कार्यक्रम सामूहिक भोज के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से आचार्य अशोक, सत्येंद्र श्रीवास्तव, कौशल कुमार श्रीवास्तव अधिवक्ता आनंद वीर श्रीवास्तव नीरज श्रीवास्तव सौरभ श्रीवास्तव शुभम श्रीवास्तव उत्तम श्रीवास्तव शिवम श्रीवास्तव अमित कुमार श्रीवास्तव योग प्रशिक्षक सत्यम सक्सेना आदि लोग उपस्थित रहे।

गौरव जन कल्याण संस्थान के तत्वावधान में रामनगर, नीर रोड पर स्थित बाबा रामदास आश्रम में स्थापित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में कर्मो का लेखा जोखा रखने वाले भगवान श्री चित्रगुप्त का पूजन , हवन सर्वसमाज के लोगो द्वारा विधि विधान से किया गया। प्रसाद में पेन , श्री चित्रगुप्त भगवान की फोटो, फल और मिठाई वितरित की गई ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि हम–सब यम द्वितीया को कलम–दवात का पूजन करते हैं। भगवान श्री चित्रगुप्त जी को कागज,कलम, और दवात चढ़ाने से भगवान श्री चित्रगुप्त की बरसती है कृपा और संवरती है किस्मत। जिलाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि भगवान राम के अयोध्या आगमन पर भगवान श्री चित्रगुप्त को निमंत्रण नहीं दिया गया जिससे नाराज होकर उन्होंने लेखा–जोखा रखना बंद कर कलम रख दी जिससे यमलोक में समस्या उत्पन्न हो गई तब तुरंत उन्हें आमंत्रित किया गया और द्वितीया से पुनरू लेखा–जोखा रखना शुरू किया तभी से यम द्वितीया को कलम–दवात का पूजन किया जाता है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंजलता श्रीवास्तव, संस्थान के राष्ट्रीय सचिव गौरव श्रीवास्तव ,जिलाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव ,जिला युवा सचिव विकाश श्रीवास्तव , अंकुर श्रीवास्तव, गोविंद सारण कुसवाहा, शास्त्री बिहारी लाल पाठक, हरिओम पंडित , धीरज खरे,रजत श्रीवास्तव, पुष्पलता श्रीवास्तव , सुनिता श्रीवास्तव, के० के ० सिंह , हर्षित श्रीवास्तव, नैन्सी श्रीवास्तव , ललित श्रीवास्तव , प्रकाशनी श्रीवास्तव ,शिवम् श्रीवास्तव, ब्रजेश श्रीवास्तव , रमेश श्रीवास्तव , स्वस्तिक श्रीवास्तव, सात्विक श्रीवास्तव ,जय श्रीवास्तव , श्याम जी आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान के रचनात्मक उपयोग से ही होगा मानवता का विकास

क्वान्टा २०२३ में पधारे बाल वैज्ञानिकों की आम राय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान ओलम्पियाड श्क्वान्टा–२०२३श में प्रतिभाग हेतु विभिन्न देशों से पधारे बाल वैज्ञानिकों की आम राय है कि विज्ञान के रचनात्मक उपयोग से ही मानवता का विकास होगा। आज यहाँ सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों से बातचीत करते हुए इन प्रतिभागी छात्रों ने कहा कि मानवतावादी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही विश्व समाज में रचनात्मक बदलाव लाया जा सकता है। श्क्वान्टा – २०२३श का आयोजन १५ से १८ नवम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है जिसमें रूस, ब्राजील, नेपाल, थाईलैण्ड, मलेशिया, जर्मनी, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों के बाल वैज्ञानिक प्रतिभाग कर रहे हैं। ये प्रतिभागी छात्र आज प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों से मिले और अपने विचार व्यक्त किए।

प्रेस कान्फ्रेन्स में अपने विचार व्यक्त करते हुए स्टूडेन्ट रिसर्च सेन्टर, जर्मनी से पधारे छात्रों ने कहा कि विज्ञान का उपयोग मानवता के पक्ष में होना चाहिए और क्वान्टा २०२३श इस तरह के विचार पैदा करने का सर्वोत्तम अन्तर्राष्ट्रीय मंच है । मास्को केमिकल लेसियम, रूस से पधारे छात्रों ने कहा कि विश्व के सभी वैज्ञानिकों को चिंतन व मनन करना चाहिए कि हम विज्ञान का उपयोग कैसे, किस प्रकार और क्यों करें, जिससे कि मानवता फलती–फूलती रहे। आर्चिड कालेज, नेपाल से पधारे छात्रों का कहना था कि सोच में बदलाव आना चाहिये जिससे कि पूरे विश्व में शान्ति की स्थापना हो सके। महिडोल वितयानुसोर्न स्कूल, थाईलैण्ड के छात्रों का कहना था कि इसी तरह के वैज्ञानिक समारोह होने चाहिए, जिससे सभी छात्र मानवता की भलाई के लिए कार्य कर सकें। इसी प्रकार देश–विदेश से पधारे कई अन्य छात्रों ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने कहा कि यह ओलम्पियाड भावी वैज्ञानिकों को विज्ञान का उपयोग मानवता की खुशहाली के लिए करने हेतु प्रेरित करेगा। क्वान्टा २०२३ के अन्तर्गत देश–विदेश के छात्रों के लिए डिबेट (वाद–विवाद), द आर्टिसंस गिल्ड (कोलाज मेकिंग), मैथमेटिक्स एवं मेन्टल एबिलिटी क्विज, वाटर क्राफ्ट रेस, आब्स्टेकल रोबोट रेस आदि रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि श्क्वान्टा–२०२३श का भव्य उद्घाटन आज अपरान्हरू ४.०० बजे सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में होगा। उप–मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर सी. एम. एस. छात्र देश–विदेश से पधारी छात्र टीमों के सम्मान में रंगारंग शिक्षात्मक–सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। क्वान्टा – २०२३ की प्रतियोगितायें कल १६ नवम्बर को प्रातः ८.३० बजे से प्रारम्भ हो जायेंगी।

छावनी पुस्तकालय के प्रांगण में डॉमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर का कोर्स दिनांक 20 अक्टूबर से होगा प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के अंतर्गत लखनऊ छावनी परिषद, द्वारा संचालित नेहरू रोड़ स्थित छावनी पुस्तकालय के प्रांगण में डॉमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर का कोर्स दिनांक 20 अक्टूबर से प्रारंभ किया जा रहा है । इच्छुक अभ्यर्थी अपना रजिस्ट्रेशन https://www-skillindiadigital-gov-in/home पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं अथवा छावनी परिषद कार्यालय में आकर भी अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। आवश्यक जानकारी हेतु निम्नलिखित कर्मचारियों से सम्पर्क किया जा सकता है।

1. श्रीमती पूनम ठाकुर अध्यापिका आर.ए.बाजार लखनऊ कैंट 7408412724
2. श्री श्याम सिंह समन्वयक 9161555524
3. श्री अभिनव गुप्ता समन्वयक 7408412709

राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित होगा

पुस्तक वितरण सम्मान समारोह माननीय सांसद श्री श्याम सिंह यादव होंगे मुख्य अतिथि

दिनांक 15 नवम्बर 2023, बुधवार । सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत जौनपुर जिले में राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार एवं पुस्तक संस्कृति के उन्नयन हेतु पुस्तक वितरण सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 16 नवम्बर अपराहन् 12.00 बजे रजा डी. एम. शिया इंटर कॉलेज, जौनपुर में आयोजित होगा। इसमें जनपद के 60. पूर्व माध्यमिक विद्यालय को दस हजार, 32 उच्च विद्यालयों को पच्चीस हजार एवं 16 कॉलेजध्इंटर कॉलेज को पचास हजार रूपये मूल्य की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण, पुस्तक वितरण सम्मान समारोह के माध्यम से माननीय सांसद द्वारा किया जायेगा। माननीय सांसद श्री श्याम सिंह यादव की इस अनोखी पहल से जिले के 108 शैक्षणिक संस्थानों को हिन्दी साहित्य से संबंधित हिन्दी के महान लेखकों की रचनाओं से समृद्ध एक मिनी लाईब्रेरी की प्राप्ति एवं स्थापना हो जायेगी।

पुस्तक वितरण सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मा .सांसद श्री श्याम सिंह यादव होंगे और विशिष्ट अतिथि श्री जयकेश त्रिपाठी, परियोजना निदेशक,जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जौनपुर होंगे। इस अवसर पर जौनपुर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री गौरखनाथ पटेल, विशेष आमंत्रित अतिथि हैं।

इस योजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किये जाने में श्री जयकेश त्रिपाठी , जिला ग्राम्य विकास अभिकरण जौनपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनसे मिली जानकारी के अनुसार प्रातः 10.00 बजें से अपराहन् 12.00 बजें तक रजा डी. एम.शिया इंटर कालेज जौनपुर में पुस्तक वितरण सम्मान समारोह में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को माननीय सांसद श्री श्याम सिंह यादव द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा तत्पश्चात् पुस्तकों का वितरण किया जायेगा।

कार्यक्रम के आयोजक सह जिला विधालय निरीक्षक, जौनपुर श्री राजीव रंजन कुमार मिश्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत जौनपुर जिले में राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार का यह पहला आयोजन है। सोशल मीडिया (व्हटसधफैसबुक) के इस जमाने में ज्ञान की रक्षा के लिए पुस्तकों की जिंदगी बचाने का जो महान कार्य माननीय सांसद ने किया है वे इसके लिए बधाई के पात्र है।

खास आकर्षण

पुस्तक वितरण सम्मान समारोह का सबसे खास आकर्षण यह होगा कि इस अवसर पर जौनपुर जनपद के साहित्य–संस्कृति से जुडे 13 साहित्यकारों को माननीय सांसद श्री श्याम, सिंह यादव द्वारा प्रशस्ति–पत्र, पुस्तकें एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। सम्मानित होने वाले 13 साहित्यकारों के नाम (1) डॉ. सत्य नारायण दुबे श्शरतेन्दुश (2) डॉ. पी. सी.विश्कर्मा (3) श्री अहमद निसार (4) श्री जनार्दन अस्थाना (5) डॉ. ज्योति दास (6) श्री अजय कुमार सिंह (7) श्री होरी लाल श्अशांतश् (8) श्री सभाजीत द्विवेदी श्प्रखर' (9) डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी हैं। (10) श्री योगेन्द्र मौर्य (11.) श्री मजहर आसिफ (12.) श्री प्रशांत कुमार मिश्र (शांत जौनपुरी) (13.) प्रो. डॉ. राजदेव दुबे ।

इन विद्यालयों में होंगी 10000 रुपए की पुस्तकें वितरित

राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिंदी साहित्य के प्रचार–प्रसार एवं पुस्तक संस्कृति के उन्नयन हेतु पुस्तक वितरण सम्मान समारोह में जौनपुर जनपद के इन 10 विकास खंड – सुईथाकला, नगर पालिका, सोंधी शाहगंज, बदलापुर, सुजानगंज, महराजगंज, करंजाकला, खुटहन, बक्शा, सिकरारा के 60 पूर्व माध्यमिक स्कूलों को 10,000. हजार रुपए की पुस्तकें मा. सांसद महोदय द्वारा सम्मान पत्र. के साथ सम्मानित करते हुए प्रदान की जाएंगी। 1 शांती निकेतन पूर्व मा0 विद्यालय खर्गसेनपुर थानागद्दी ,सुईथाकला,जौनपुर 2 मीना रिजवी (शिया) गर्ल्स जू0हा0 स्कूल,नगर पालिका,जौनपुर 3 जनता पूर्व मा0 विद्यालय अर्गुपुर कला शाहगंज, सोंधी शाहगंज,जौनपुर 4 इमामियां गर्ल्स ज0हा0 स्कूल सिपाह,नगर पालिका,जौनपुर 5 जनता जर्नादन ल0मा0 विद्यालय रतासी बहरीपुर ,बदलापुर,जौनपुर 6 लक्ष्मीशंकर यादव उ0मा0 विद्यालय बरौत सराय मोहिउद्दीनपुर, सुईथाकला,जौनपुर 7 जनता जू0हा0 स्कूल अमारी,सुईथाकला,जौनपुर 8 महात्मा गांधी पूर्व मा0 विद्यालय जपटापुर,सोंधी शाहगंज,जौनपुर 9 पराहित किसान पूर्व मा0 विद्यालय पराहित म0 शहर,सुजानगंज,जौनपुर 10 फुरकानियां ज0हा0 स्कूल शान्ती तालाब खोतासराय,सोंधी शाहगंज,जौनपुर 11 श्री सीताराम पूर्व मा0 विद्यालय रसिकापुर रमदेइया ,महराजगंज,जौनपुर 12 नेहरू किसान जूहा0 स्कूल सोगर शाहगंज,सोंधी शाहगंज, जौनपुर 13 श्री रघुवीर पूर्व मा0 विद्यालय बारी बरहता म0शहर,

महंत नरसिंहानंद व कई हिंदूवादी नेताओं को ठिकाने लगाने की थी साजिश

लखनऊ (संवाददाता)। आतंकी संगठन आईएस का पुणे माड्यूल गाजियाबाद के डासना स्थित शिव शक्ति धाम मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद व कई हिंदूवादी नेताओं की हत्या की साजिश रच रहा था। इसका खुलासा अलीगढ़ से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी अब्दुल्ला अर्सलान और माज बिन तारिक से पूछताछ में हुआ है। दोनों को रिमांड पर अलीगढ़ लेकर गई एटीएस ने एक पिस्टल, पांच कारतूस व कुछ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए हैं। इनमें जिहादी साहित्य भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक नरसिंहानंद को मारने के लिए इस माड्यूल के सदस्यों ने रेकी भी की थी। इस खुलासे के बाद माज की निशानदेही पर बरामद इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। दोनों की रिमांड सोमवार को खत्म हो गई। एटीएस दोनों को फिर से रिमांड पर लेने के लिए अदालत से अनुरोध करने वाली है। माड्यूल के मास्टरमाइंड प्रो. वजीहुद्दीन, संभल व अलीगढ़ से गिरफ्तार चार अन्य संदिग्ध व दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में शाहनवाज व रिजवान से भी पूछताछ होगी।

बीबीएयू में बनेगा साइंस ब्लॉक, पढ़ाई-शोध को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ (संवाददाता)। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान की पढ़ाई और शोध को बढ़ावा देने के लिए साइंस ब्लॉक स्थापित करेगा। इसके लिए संस्थान नेशनल एजुकेशन एंड फाइनेंस एकेडमी में आवेदन करेगा। एकेडमी से सहायता मिलने पर इस ब्लॉक का निर्माण शुरू हो जाएगा। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने बताया कि नेशनल एजुकेशन एंड फाइनेंस एकेडमी से अनुदान लेना आसान है, हालांकि इसकी प्रमुख शर्त कुल राशि में से 10 फीसदी की वापसी करना है। इसे ध्यान में रखते हुए बीबीएयू ने साइंस ब्लॉक स्थापित करने की योजना तैयार की है। इसी के आधार पर इसका प्रस्तावित बजट तैयार किया जाएगा।

राजनेताओं, कलाकार और क्रिकेटर्स का लगता था जमावड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। सुब्रत राय का करीब चार दशक का कारोबारी सफर सफलता की बुलंदियों को छूने वाला साबित हुआ। लखनऊ के सहारा शहर में राजनेताओं, फिल्म कलाकार और क्रिकेटर्स का लगने वाला जमावड़ा इसका गवाह बन चुका है। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव से उनके करीबी रिश्ते जगजाहिर थे तो भाजपा और कांग्रेस के तमाम बड़े नेता उनके मुरीद थे। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम को कई सालों तक स्पांसर किया। इसी तरह हाकी को भी प्रोत्साहित किया। बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन, मशहूर राजनेता अमर सिंह उनके पारिवारिक सदस्यों की तरह थे। सुब्रत राय बड़े उत्साह से भारत पर्व कार्यक्रम आयोजित करते थे। उनके दोनों बेटों की शादी लखनऊ में शाही अंदाज में हुई थी, जिसमें देश–विदेश से मशहूर हस्तियों को आमंत्रित किया गया था। इस शादी में खर्च की चर्चा सालों तक लोगों की जुबान पर तैरती रही। सहारा समूह गरीब लड़कियों का सामूहिक विवाह समारोह भी भव्य तरीके से आयोजित करता था। गोरखपुर और लखनऊ में श्मशान घाट के पुनरुद्धार का काम भी सहारा समूह ने किया था। सहारा समूह ने एयरलाइंस कंपनी भी खोली थी, जिसके बेड़े में कई जहाज थे। हालांकि यह कारोबार सुब्रत राय को रास नहीं आया, जिसके बाद उन्होंने अपने हाथ वापस खींच लिए। सेबी विवाद के बाद सहारा क्यू शॉप नाम से कंज्यूमर प्रोडक्ट की रिटेल चेन की शुरुआत की, लेकिन यह काम भी जल्द बंद करना पड़ गया। हालांकि मुंबई में उनका सहारा स्टार होटल बनाने का फैसला सही साबित हुआ।

लंबे समय तक क्रिकेट टीम की जर्सी का प्रायोजक रहा सहारा परिवार

लखनऊ (संवाददाता)। सहारा श्री सुब्रत रॉय खेलों को प्रमोट करने में आगे थे। वह हर तरह के खेलों को प्रमोट करते थे। क्रिकेट में उनकी खास दिलचस्पी थी। टीम इंडिया की जर्सी में लंबे समय तक प्रायोजक के रुप में सहारा श्री का नाम ही जाता रहा है। क्रिकेट के मुकाबलों को देखने के लिए भी सहारा श्री स्टेडियम में जाया करते थे। कई मौके ऐसे भी हैं जब उन्होंने क्रिकेट टीम को लखनऊ स्थिति सहारा सिटी में इनवाइट किया। क्रिकेट के अलावा भी उनकी दिलचस्पी दूसरे खेलों में थी। एक समय तक मुश्किलों में फंसी भारतीय हॉकी टीम को संवारने में सुब्रत रॉय ने अहम योगदान दिया। लखनऊ में लंबे समय तक सहारा के सहयोग से समय–समय पर कैंप आयोजित किया गया। एक और बड़ी उपलब्धि के तहत शहर में लगभग बंद हो चुकी प्रतिष्ठित शीशमहल क्रिकेट को भी जीवनदान देने में सहारा का अहम योगदान रहा। सहारा से मिले सहयोग के बाद शीशमहल क्रिकेट का स्तर ही बढ़ गया और यहां देश के लिए खेलने वाले सभी प्रमुख क्रिकेटरों ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आकर अपने खेल से प्रशंसकों को रोमांचित किया।

भाजपा के दो सांसद इंडिया गठबंधन से लड़ सकते हैं चुनाव, ममता और अखिलेश से हुई बात

लखनऊ (संवाददाता)। रूहेलखंड के भाजपा के एक सांसद लगातार अपनी पार्टी की नीतियों के खिलाफ सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। एक और सांसद भी अपने सत्ताधारी दल में अपेक्षित महत्व न मिलने से अलग रास्ता पकड़ने की तैयारी में हैं। भाजपा के दो सांसद श्श्इंडियाश्श गठबंधन से चुनाव लड़ सकते हैं। इन दोनों के अपनी पार्टी के साथ संबंध सहज नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी उनके लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से बात भी कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन इन दोनों मौजूदा सांसदों पर दांव लगा सकता है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टियां और नेता हर स्तर पर एक–दूसरे के संपर्क में हैं। यह करीब–करीब तय है कि अधिकतर प्रमुख पार्टियां यह चुनाव दो मुख्य खेमों में बंटकर ही लड़ेंगी। इसलिए जिसके भी समीकरण अपनी पार्टी में बिगड़े हुए हैं या इसकी आशंका है, वे विरोधी खेमे के नेताओं के संपर्क में हैं।

रूहेलखंड के भाजपा के एक सांसद लगातार अपनी पार्टी की नीतियों के खिलाफ सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। एक और सांसद भी अपने सत्ताधारी दल में अपेक्षित महत्व न मिलने से अलग रास्ता पकड़ने की तैयारी में हैं। इंडिया की समन्वय समिति के सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों सांसदों को लग रहा है कि उनकी पार्टी इस बार उन्हें टिकट नहीं देगी। इसलिए उन्होंने ममता बनर्जी से संपर्क साधा। उनका इरादा है कि लोकसभा चुनाव में उन्हें इंडिया गठबंधन का समर्थन मिल जाए। इसके लिए या तो वे इंडिया गठबंधन के किसी दल से चुनाव लड़ लें या फिर निर्दल प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरें और इंडिया गठबंधन भी उनका समर्थन कर दे। बताते हैं कि सपा अपने सिंबल पर उन्हें चुनाव लड़ाने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि, उनकी पहले से चली आ रही छवि के चलते सपा के परंपरागत अल्पसंख्यक वोट बैंक के असहज होने की संभावना है। ममता बनर्जी ने तृणमूल के टिकट पर उन्हें लड़ाने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर विचार चल रहा है। भाजपा के दो सांसद श्श्इंडियाश्श गठबंधन से चुनाव लड़ सकते हैं। इन दोनों के अपनी पार्टी के साथ संबंध सहज नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी उनके लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से बात भी कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन इन दोनों मौजूदा सांसदों पर दांव लगा सकता है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टियां और नेता हर स्तर पर एक–दूसरे के संपर्क में हैं। यह करीब–करीब तय है कि अधिकतर प्रमुख पार्टियां यह चुनाव दो मुख्य खेमों में बंटकर ही लड़ेंगी। इसलिए जिसके भी समीकरण अपनी पार्टी में बिगड़े हुए हैं या इसकी आशंका है, वे विरोधी खेमे के नेताओं के संपर्क में हैं।

फरमाइश पर नहीं थिरकी डांसर तो झोंका फायर

गोंडा (संवाददाता)। धानेपुर थाना क्षेत्र के दत्तनगर बूढ़ी बगिया गांव में दीपावली की रात बरही संस्कार में आयोजित आर्केस्ट्रा में फरमाइशी गीत पर नृत्य कराने को लेकर दो पक्षों में भिड़ंत हो गई। आयोजक और उसके साथी ने लोगों को समझाकर मामला शांत करा दिया। इसके बाद फरमाइशी गीत पर नृत्य न करने पर एक पक्ष के तीन युवकों ने महिला डांसर पर तमंचे से फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि गोली एक व्यक्ति के कान को छूते हुई निकल गई। मामले में आरोपी तीन युवकों के खिलाफ जानलेवा हमले समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर तमंचा, कारतूस व बाइक बरामद की है। गांव के राजितराम शर्मा ने बताया कि रविवार को दीपावली के दिन बेटे का बरही संस्कार था। उन्होंने आर्केस्ट्रा का आयोजन किया था।

मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार, दो को लगी गोली

गोंडा (संवाददाता)। वजीरगंज थानाक्षेत्र में फाइनेंस कंपनी के एजेंटों के साथ लूट करने के आरोपी चार बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से जख्मी हो गए। दोनों का सीएचसी में इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि लोहराडांड़ प्राथमिक विद्यालय के पास छह नवंबर की दोपहर फाइनेंस कंपनी के एजेंटों से बाइक सवार बदमाशों ने एक लाख रुपये से अधिक की लूट की थी।

छठ पर्व को लेकर ट्रेनों में बढ़ी भीड़

गोंडा (संवाददाता)। 19 व 20 नवंबर को डाला छठ पर्व है। इसे लेकर लखनऊ व डाउन साइड से आने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ कई गुना बढ़ गई है। जनरल व स्लीपर डिब्बों में तिल रखने की जगह नहीं है। स्थिति यह है कि फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने के बावजूद यात्रियों को राहत नहीं मिल पा रही है। स्पेशल ट्रेनों का संचालन बेपटरी व लेटलतीफी समस्या को बढ़ा रही है। गोंडा में भी सैकड़ों लोग छठ पर्व मनाते हैं। दिल्ली, मुंबई, लुधियाना, अहमदाबाद, गाजियाबाद व भोपाल सहित अन्य महानगरों से पर्व मनाने यहां लोग आते हैं।

बेसिक स्कूलों में शिक्षकों के साथ अब छात्रों की भी ऑनलाइन हाजिरी, जियो फेसिंग से होगी पहचान

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में बेसिक के विद्यालयों में टैबलेट वितरण के साथ ही विद्यालयों के नियमित काम–काज का डिजिटाइलेशन भी तेज हो गया है। इसी क्रम में 20 नवंबर से राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के सात जिलों में शिक्षक–छात्रों की रियल टाइम उपस्थिति दर्ज होगी। इसके अगले चरण में शिक्षकों व छात्रों की फेस रिक्गनाइज अटेंडेंस भी शुरू की जाएगी। शासन की ओर से बेसिक व कस्तूरबा विद्यालयों में 20 लाख से अधिक टैबलेट उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इसी के साथ उपस्थिति पंजिका, प्रवेश पंजिका, कक्षावार छात्र उपस्थिति पंजिका, एमडीएम पंजिका, स्टॉक पंजिका, निरीक्षण पंजिका, आय–व्यय व चेक इश्यू पंजिका, बैठक पंजिका आदि का डिजिटाइजेशन भी कराया जा रहा है। यह काम लगभग आखिरी चरण में है। इसी क्रम में अब शासन की ओर से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर सात जिलों में इन पंजिकाओं व शिक्षकों–छात्रों की उपस्थिति को रियल टाइम अपडेशन करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसमें लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, हरदोई, उन्नाव, श्रावस्ती व लखीमपुर खीरी शामिल हैं। निर्देश दिए गए हैं कि डिजिटल उपस्थिति पंजिका में शिक्षक, कर्मचारी व छात्रों की उपस्थित प्रेरणा पोर्टल पर अपने मोबाइल नंबर से दर्ज कराएंगे। शिक्षकों के लिए 01 अप्रैल से 30 सितंबर तक विद्यालय आने का समय सुबह 7:45 से आठ बजे तक और जाने का दोपहर 2:15 से 2रू30 बजे है। वहीं एक अक्तूबर से 31 मार्च तक यह सुबह 8:45 से नौ बजे और दोपहर 3रू15 से 3:30 बजे है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने कहा है कि मोबाइलध टैबलेट को जियो फेसिंग से पहचाना जायेगा। साथ ही पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज करते समय अध्यापकध्प्रधानाध्यापक को विद्यालय परिसर में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। विद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों की उपस्थिति का ऑनलाइन सत्यापन प्रधानाध्यापक करेंगे। पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया शुरू होने तक यह काम ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से किए जाएंगे। उन्होंने इन सात जिलों के बीएसए को निर्देश दिए हैं कि इस व्यवस्था को प्रभावी कराने के साथ ही डिजिटल रजिस्टर के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया जाए। इस आदेश के जारी होने के साथ ही शिक्षकों में इसे लेकर नाराजगी भी सामने आई है। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि 20 नवंबर से व्यवस्थाएं ऑनलाइन करने का आदेश जारी हुआ लेकिन अभी तक शिक्षकों को टैबलेट चलाने की ट्रेनिंग नहीं दी गई।

फर्जी डिग्री का मामला दो विभागों में उलझा

लखनऊ (संवाददाता)। निजी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज से बीएएमएस की फर्जी डिग्री मामले में रजिस्ट्रार ने अभी तक यूपी के दोनों छात्रों पर एफआईआर तक दर्ज नहीं कराई है। आरोप है कि फर्जी डिग्री के रैकेट के तार विभाग से जुड़े हैं। ऐसे में अफसर कार्रवाई की बजाए लीपापोती में जुटे हैं। रजिस्ट्रार एफआईआर दर्ज किए जाने के लिए तहरीर भेजे जाने का दावा कर रहे हैं। वहीं पुलिस अभी तक तहरीर न मिलने की बात कह रही है। वहीं तीन अन्य छात्रों का रिकॉर्ड अभी तक कॉलेजों से नहीं मिला है। एमबीबीएस, आयुर्वेद, यूनानी व होम्योपैथिक विधा में दाखिले के लिए वर्ष 2016 से नीट परीक्षा अनिवार्य है। बिना नीट परीक्षा के छात्रों का दाखिला लिया गया था। इसमें मेरठ के निजी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज से दो छात्रों की फर्जी डिग्री व इंटर्नशिप होने का रिकॉर्ड कॉलेज से दस दिन पहले भेजा गया था। रजिस्ट्रार ऑफिस से दोनों छात्रों पर मुकदमा दर्ज किए जाने के लिए तहरीर पुलिस को भेजने का दावा किया गया है।

ओपी राजभर बोले- सभी नेता दोमुंहे सांप की तरह, खुद मैं भी मंत्री ना बनने से हैं नाराज

लखनऊ (संवाददाता)। योगी मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सबको धैर्य रखने की नसीहत देने वाले सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का ही धैर्य जवाब देने लगा है। विस्तार में हो रही देर की वजह से राजभर अब 'प्रेशर पॉलीटिक्स' पर उतर आएं हैं। कई बार मंत्री बनने की तिथि बताने वाले राजभर ने इस बार कहा है कि सभी नेता दोमुंहे सांप की तरह होते हैं और मैं भी उनमें से एक हूं। यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन के कई नेता उनके संपर्क में हैं, कब कौन पलट जाए पता नहीं। राजभर ने मंगलवार को एक न्यूज चौनल से बातचीत में कहा कि जिसके पास ताकत होती है, उसे सभी पूछते हैं। मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े सवाल पर कहा कि सत्ता से हटने के बाद अधिकांश नेता टूट जाते हैं, लेकिन मैं ही एक ऐसा नेता हूं जो सत्ता से हटने के बाद टूटने के बजाय और मजबूत हुआ हूं। इसलिए आज सभी दल के नेताओं की निगाहें सुभासपा पर हैं। उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में सुभासपा की मदद पाने को लेकर सभी दल संपर्क कर रहे हैं। फिर से पाला बदलने के सवाल पर कहा कि फिलहाल मंत्रिमंडल विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उसके बाद सही समय पर सही निर्णय लेंगे। ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरुण राजभर ने सोशल मीडिया पर चल खबर को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा, सुभासपा एनडीए के साथ मजबूती से खड़ी है और मोदी–योगी के विजन को लेकर जनता के बीच में जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सुभासपा अध्यक्ष ने दोमुंहा सांप सपा के संबंध में कहा है, न कि अन्य नेताओं के बारे में।

शहीद पथ पर वाहनों से कुचला हुआ मिला तेंदुआ

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के शहीद पथ पर एक सुबह एक तेंदुआ कुचला हुआ मिला। उतरेठिया से अंबेडकर यूनिवर्सिटी की ओर शहीद पथ पर एल्डिको के पास एक लेटा हुआ तेंदुआ दिखा तो लोगों को होश उड़ गए। कुछ लोगों ने हिम्मत जुटाकर उसके नजदीक पहुंचे तो पता चला कि तेंदुआ मरा हुआ था। उसके शरीर पर गहरे जख्म के निशान थे। निशान देखकर ऐसा लग रहा था किसी भारी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हुई है। लोगों ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने वन विभाग को सूचित किया। सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए के शव को उठाकर ले गई।

सुब्रत राय का शून्य से शिखर तक का सफर : एक कमरे के दफ्तर से शुरुआत, घाटे का सौदा बना यह कदम, ऐसे पहुंचे लखनऊ

लखनऊ (संवाददाता)। सहारा श्री सुब्रत रॉय का शून्य से लेकर शिखर तक का सफर काफी रोचक है। उन्होंने सुब्रत राय से सहारा श्री सुब्रत रॉय बनने तक जीवन में काफी उतार–चढ़ाव देखे। करिअर की शुरुआत गोरखपुर में नमकीन–स्नैक्स बेचने से की। अपनी लैंब्रेटा स्कूटर पर जया प्रोडक्ट के नाम से स्नैक्स बेचते। 1978 में गोरखपुर में एक छोटे से ऑफिस में सहारा समूह की नींव रखी। इंडस्ट्रियल एरिया में कपड़े और पंखे की फैक्टरी शुरू की। रॉय के नेतृत्व में, सहारा ने कई व्यवसायों में विस्तार किया। वर्ष 1983–83 में कारोबारी मित्र एसके नाथ ने अलग होकर राप्ती फाइनेंस बना ली। इसी साल सुब्रत राय ने लखनऊ में कंपनी का मुख्यालय खोला। रॉय का साम्राज्य फाइनेंस, रियल एस्टेट, मीडिया और हॉस्पिटैलिटी से लेकर अन्य सेक्टर्स में फैला। कामयाबी के शिखर पर पहुंचने के बाद भी कभी पुराना समय नहीं भूले। गोरखपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जीवन के तमाम अनुभव सार्वजनिक किए थे। 18 अप्रैल 2013 को गोरखपुर क्लब में आयोजित सम्मान समारोह में सुब्रत रॉय आए थे जिसमें बेबाकी से अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं को सबके सामने रखा था। बताया था कि गोरखपुर कर्मस्थली रही और यहां की गलियों से वाकिफ हूं। पढ़ा–लिखा और कारोबार की शुरुआत यहीं से की। शहर के कनक हरि अग्रवाल बताते हैं कि उस कार्यक्रम में वह भी शामिल थे। सहारा श्री ने कहा था कि स्कूटर से घूमने और नॉन बैकिंग की शुरुआत यहीं से की। सिनेमा रोड स्थित कार्यालय के एक कमरे से दो कुर्सी और एक स्कूटर के साथ उन्होंने दो लाख करोड़ रुपये तक का सफर तय किया। थोड़ी पूंजी हुई तो 1978 में इंडस्ट्रियल एरिया में कपड़े और पंखे की फैक्ट्री शुरू की। इस दौरान लैम्ब्रेटा स्कूटर से पंखा और अन्य उत्पादों को बेचा करते थे। दुकानों पर पंखा पहुंचाने के साथ ही वह दुकानदारों को स्माल सेविंग के बारे में जागरूक करते थे। बैंकिंग की जरूरतों के साथ रोजगार के अवसर के बीच सहारा का 'गोल्डेन की' योजना क्रान्तिकारी साबित हुई जिसमें समय–समय पर होने वाली लाटरी ने लोअर मिडिल क्लास में मजबूती से जोड़ा। वर्ष 1983–83 में कारोबारी मित्र एसके नाथ ने अलग होकर राप्ती फाइनेंस बना ली। इसी साल सुब्रत राय ने लखनऊ में कंपनी का मुख्यालय खोला। सहारा समूह ने एयरलाइंस कंपनी भी खोली थी, जिसके बेड़े में कई जहाज थे। हालांकि यह कारोबार सुब्रत राय को रास नहीं आया, जिसके बाद उन्होंने अपने हाथ वापस खींच लिए। सेबी विवाद के बाद सहारा क्यू शॉप नाम से कंज्यूमर प्रोडक्ट की रिटेल चेन की शुरुआत की, लेकिन यह काम भी जल्द बंद करना पड़ गया। हालांकि मुंबई में उनका सहारा स्टार होटल बनाने का फैसला सही साबित हुआ। सुब्रत रॉय का जन्म भले ही बिहार में हुआ हो, लेकिन उन्होंने अपने कारोबार की शुरुआत गोरखपुर से की थी। शुरुआत में वह स्कूटर पर चला करते थे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।